संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -118 बुधवार , 28 फरवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### लोकपाल के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए एम खानविलकर

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024(ए)।** सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ए एम खानविलकर लोकपाल के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए। बता दें कि खानविलकर लोकपाल के दूसरे अध्यक्ष होंगे, जिन्हें भारत का लोकपाल कहा जाता है।

### बजरंग लाल बागड़ा बने विहिप के नये महामंत्री

**अयोध्या, 27 फरवरी 2024(ए)।** विश्व हिंदू परिषद की प्रन्यासी मण्डल की बैठक में वर्तमान कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार विहिप के अध्यक्ष तथा चार्टर्ड एकाउंटेंट बजरंग लाल बागड़ा विहिप के नए महामंत्री निर्वाचित हुए हैं।विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने यहां यह जानकारी दी।

### आरजेडी-कांग्रेस के तीन विधायक भाजपा में हुए शामिल

**पटना,27 फरवरी 2024 (ए)।** बिहार की सियासत में मंगलवार को फिर से बड़ा खेला हुआ, जब महागठबंधन के तीन विधायक भाजपा के साथ आ गए। मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के साथ कांग्रेस विधायक मुरारी गौतम और सिद्धार्थ सौरव तथा राजद की संगीता देवी विधानसभा पहुंची।इसके बाद साफ हो गया कि महागठबंधन के तीन विधायक एनडीए के पाले में आ गए।

राजद की संगीता कुमारी कैमूर जिले की मोहनिया से विधायक हैं, जबकि सिद्धार्थ सौरव विक्रम सीट और मुरारी गौतम चेनारी सीट से विधायक हैं।

### कौन हैं चार स्ट्रोनॉट्स जो स्पेस में लहराएंगे भारत का झंडा

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024 (ए)।** पीएम मोदी ने आज (27 फरवरी) गगनयान मिशन में शामिल चारों एस्ट्रोनॉट्स के नाम का एलान कर दिया है। बतौर एस्ट्रोनॉट्स ग्रूप कमांडर प्रशांत बालकृष्णन नायर अंगद प्रताप अजीत कृष्णन विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला स्पेस में जाएंगे। गगनयान मिशन को साल 2025 में लॉन्च किया जाएगा।

पीएम मोदी ने गगनयान मिशन का रिव्यू किया।चारों एस्ट्रोनॉट्स भारतीय वायु सेना से जुड़े हुए हैं।

नई दिल्ली। । गगनयान मिशन में शामिल चार एस्ट्रोनॉट्स के नाम का एलान हो गया है। बतौर एस्ट्रोनॉट्स ग्रूप कमांडर प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन, विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला स्पेस में जाएंगे। ये चारों भारतीय वायु सेना के टेस्ट पायलट हैं।

# राज्यसभा चुनाव भाजपा भारी बहुमत से जीती

## यूपी की 8 सीटें भाजपा की झोली में,सपा को 2 सीटें,कर्नाटक में कांग्रेस को 3,भाजपा को 1 सीट,हिमाचल में बीजेपी जीती

**नई दिल्ली,27 फरवरी 2024 (ए)।** राज्यसभा की 15 सीटों के लिए मंगलवार 27 फरवरी को वोटिंग हुई। सुबह 9 बजे से जारी वोटिंग शाम 4 बजे खत्म हुई। 3 राज्यों उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मतदान हुआ। सबसे पहले नतीजे कर्नाटक के आए।

कर्नाटक में राज्यसभा की 4 सीटों पर हुई वोटिंग में कांग्रेस के अजय माकन, नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर जीते। वहीं बीजेपी के नारायण बंदिगे ने जीत दर्ज की। हिमाचल प्रदेश की एक सीट पर भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन ने कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी को हराया है। दोनों को 34-34 वोट मिले थे। टॉस से विजेता का फैसला हुआ। हिमाचल में कांग्रेस के 6 विधायकों और सरकार को समर्थन दे रहे 3 निर्दलीय विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर आई।

राज्यसभा चुनाव को लेकर सुबह से ही गहमा-गहमी रही। वोटिंग शुरू होने के कुछ देर बाद ही यूपी में सपा के चीफ व्हिप और विधायक मनोज कुमार पांडे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

वहीं, दोपहर बाद खबर आई कि यूपी में सपा के 7 विधायकों ने एनडीए को वोट दिया है। ये विधायक राकेश पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, विनोद चतुर्वेदी, मनोज पांडेय, पूजा पाल और आशुतोष मौर्य हैं। यूपी में 8 सीटें भाजपा ने जीतीं जबकि सपा ने 2 सीटें जीतीं।

मीडिया रिपोर्ट में दावा है कि कर्नाटक में भाजपा विधायक एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस उम्मीदवार को वोट दिया। भाजपा के चीफ व्हिप डोड्डनगौड़ा जी पाटिल ने ये जानकारी दी। डोड्डनगौड़ा ने ये भी कहा कि सोमशेखर पर कार्रवाई होगी।

### सबसे ज्यादा वोट सुधांशु और तेजवीर को

यूपी की 10 में से 8 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीते हैं। इनमें भाजपा के अमरपाल मौर्य को 36 वोट, आरपीएन सिंह को 34, साधना सिंह को 34, संजय सेठ को 29, संगीता बलवंत बिंद को 36, सुधांशु त्रिवेदी को 38, तेजवीर सिंह को 38, नवीन जैन को 34 वोट मिले। वहीं सपा की जया बच्चन को 34, रामजी लाल सुमन को 34 वोट मिले। ये सभी जीत गए। सपा प्रत्याशी आलोक रंजन को हार का मुंह देखना पड़ा। उन्हें सिर्फ 16 वोट मिले।

### सपा की सभी आपत्तियां खारिज

यूपी में ओमप्रकाश राजभर की पार्टी के 3 वोट को लेकर सपा ने आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद काउंटिंग रोक दी गई थी। सपा की आपत्तियां खारिज होने के बाद काउंटिंग फिर शुरू हो गई है। रात तक नतीजे आने की उम्मीद है।

### हिमाचल सीएम सुक्खू बोले... हमारे पास पूरा बहुमत, विधायकों को हरियाणा पुलिस ले गई...

हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि जिस तरह अभी काउंटिंग शुरू हुई और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर काउंटिंग ऑफिसर को धमका रहे हैं, ये लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। भाजपा के हिमाचल नेताओं को मुख्यमंत्री ने सब्र रखने की नसीहत दी।उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ और हरियाणा पुलिस हिमाचल के विधायकों को लेकर गई हैं। उनके परिवार के लोग संपर्क कर रहे है। उन्होंने भाजपा पर गुंडागर्दी करने के आरोप लगाए।उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के पास पूरा बहुमत है। जिस तरह का गंदा खेल भाजपा खेल रही है, हिमाचल की संस्कृति इस चीज को पसंद नहीं करती।

### कर्नाटक में कांग्रेस के 3, भाजपा का 1 प्रत्याशी जीता

कर्नाटक में राज्यसभा की 4 सीटों पर हुई वोटिंग में कांग्रेस के तीन और भाजपा के 1 प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। कांग्रेस के अजय माकन, नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर जीते। वहीं बीजेपी के नारायण बंदिगे ने जीत दर्ज की।

### सपा का आरोप...बीजेपी के एक विधायक का वोट सहयोगी से डलवाया गया...

सपा ने आरोप लगाया कि यूपी में राज्यसभा चुनाव में बीजेपी के एक विधायक का वोट सहयोगी से डलवाया गया है। सपा ने इस पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद कुछ देर तक काउंटिंग रुकी रही थी।

# बाबा रामदेव की पतंजलि पर सुप्रीम कोर्ट हुआ सख्त

## आरोप है कि बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने साक्ष्य आधारित आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के खिलाफ अखबारों में भ्रामक विज्ञापन छपवाया था और अपनी दवा से मरीजों के ठीक होने का दावा किया था...

### कोर्ट के आदेश के बावजूद आपने भ्रामक विज्ञापन छपवाने की हिम्मत कैसे की?

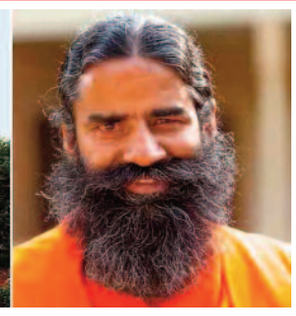

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024 (ए)।** योग गुरू बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले की आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने की। इस दौरान जस्टिस अमानुल्लाह भड़क गए और उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद की तरफ से मामले की पैरवी कर रहे वकील से पूछ डाला कि कोर्ट के आदेश के बावजूद आपने भ्रामक विज्ञापन छपवाने की हिम्मत कैसे की? बार एंड बेंच के मुताबिक, जस्टिस अहसानुद्दीन ने कहा,हमारे आदेश के बाद भी आपमें यह विज्ञापन लाने की हिम्मत की है। आप कोर्ट को लुभा रहे हैं क्या! जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने आगे कहा, मैं प्रिंटआउट और अनुलग्नक लेकर आया हूं। हम आज बहुत सख्त आदेश पारित करने जा रहे हैं। इस विज्ञापन को देखिए। आप कैसे कह सकते हैं कि आप सब ठीक कर देंगे? हमारी चेतावनी के बावजूद आप विज्ञापन जारी कर कह रहे हैं कि हमारी चीज़ें रसायन आधारित दवाओं से बेहतर हैं?

पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की थी। याचिका में साक्ष्य-आधारित दवा को बदनाम करने के लिए बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पतंजलि से ऐसे विज्ञापनों को प्रकाशित नहीं करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि ऐसा करने पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। आरोप है कि बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने साक्ष्य आधारित आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के खिलाफ अखबारों में भ्रामक विज्ञापन छपवाया था और अपनी दवा से मरीजों के ठीक होने का दावा किया था। पिछले साल भी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए एलोपैथी जैसी आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के खिलाफ बयान देने के लिए बाबा रामदेव को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने तब कहा था कि वह इसे एलोपैथी बनाम आयुर्वेद की लड़ाई नहीं बनने दे सकते।

## लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले बड़ी खबर

# अगले महीने लागू हो सकता है नागरिकता संशोधन कानून

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024 (ए)।** नागरिकता संशोधन कानून मार्च से लागू करने की तैयारी है। मार्च के पहले सप्ताह में ही लोकसभा चुनाव का भी ऐलान होना है। ऐसे में सरकार आचार संहिता लगने से पहले ही यह बड़ा फैसला लेने जा रही है। इससे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से उत्पीड़न का शिकार होकर भारत में शरण लेने वाले हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लोगों को फायदा मिलेगा। इस नियम के तहत 31 दिसंबर, 2014 तक पड़ोस के तीन देशों से उत्पीड़न का शिकार होकर आए लोगों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी। अफगानिस्तान, पाक और बांग्लादेश तीनों ही इस्लामिक मुल्क हैं और यहां हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन पंथ के लोग अल्पसंख्यक हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान से बड़ी संख्या में लोग दशकों से पलायन करके भारत आते रहे हैं। दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में ये लोग बसे भी हैं, लेकिन लाखों की इस आबादी के पास भारत की नागरिकता नहीं है। इसके चलते उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पाती हैं। ऐसे में इस कानून के लागू होने के बाद लोगों को नागिरकता मिलेगी तो वोट देने के अधिकार समेत तमाम चीजों की सुविधा हो जाएगी। यह कानून पहले ही संसद से मंजूर हो गया था, जिसे अब लागू किया जाएगा।

दिल्ली समेत कई राज्यों इस कानून को मुस्लिम विरोधी बताते हुए इसके खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हुए थे। हालांकि सरकार का कहना है कि यह कानून किसी मजहब विशेष के खिलाफ नहीं है। सरकार का कहना है कि इससे सिर्फ पड़ोसी देशों में पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी, जिनकी स्वाभाविक शरणस्थली भारत ही है। इसकी वजह यह है कि हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन धर्मों की शुरुआत भारत से ही हुई थी और कहीं भी इन धर्मों के लोग पीड़ित होने पर भारत की ओर ही देखते हैं। ऐसे में उन्हें राहत देने के लिए इस कानून को लाया गया है। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून के तहत किसी नागरिकता नहीं जाएगी बल्कि उन शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी, जो दूसरे देशों से पीड़ित होकर आए हैं।

## आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव परिवार के करीबियों की मुश्किलें बढ़ी

# एमएलए किरण देवी के ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024 (ए)।** राज्यसभा की 15 सीटों के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, कर्नाटक की चार व हिमाचल की एक सीट के लिए मतदान हो रहा है। इससे पहले राज्यसभा की 41 सीटों के लिए सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश कोटे की 10 सीटों के लिए कुल 11 प्रत्याशी मैदान में है, जिनमें से आठ भाजपा और तीन सपा के हैं। चुनाव परिणाम देर रात तक आने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्यसभा चुनाव पर कहा- भाजपा के पास अपने बहुमत से ज्यादा नंबर है। समाजवादी पार्टी को तीसरे प्रत्याशी को खड़ा करने की जरूरत नहीं थी। समाजवादी पार्टी नेता राजेन्द्र चौधरी ने राज्यसभा चुनाव पर कहा, चुनाव निष्पक्ष होना चाहिए, सत्ता का दुरुपयोग जो लोग करेंगे वे लोकतंत्र के हितैषी नहीं है। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े नेता हैं, जो भी धोखा देगा वह अपनों को धोखा देगा।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्यसभा चुनाव पर कहा, हमें उम्मीद है कि सपा के तीनों प्रत्याशी जीतेंगे, जो दूसरों के लिए काटा बोते हैं या गड्ढे खोदते हैं वे खुद ही उसमें गिरते हैं। भाजपा चुनाव जीतने के लिए कुछ भी कर सकती है, जिन्हें कुछ लाभ मिलना होगा वे भाजपा की तरफ चले जाएंगे। कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो गई है, बेंगलुरु के एक मतदान केंद्र पर मतदान की तैयारियां की गई हैं। कर्नाटक राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का डर सता रहा है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पोलिंग एजेंट बनेंगे। साथ ही क्रॉस वोटिंग पर नजर रखेंगे।

राज्यसभा चुनाव पर हिमाचल प्रदेश के मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने जयराम ठाकुर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर क्या कहते हैं, उससे हमें कोई लेना-देना नहीं है। यह बीजेपी की हताशा है क्योंकि विधायकों की संख्या भाजपा के पक्ष में नहीं है। 40 विधायक कांग्रेस के साथ हैं और 3 निर्दलीय हैं। भाजपा के पास केवल 25 विधायक हैं। बिना संख्या के भी भाजपा अपना उम्मीदवार खड़ा कर रही है, जिसका मतलब है कि वे खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे हैं।

# संदेशखाली में 61 गरीबों की जमीनें लौटाईं

» जबरन हड़पी गई जमीन पर कार्रवाई जारी

» जमीन को मूल मालिकों को वापस किया जा रहा है

**कोलकाता,27 फरवरी 2024 (ए)।** पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में पिछले कुछ दिनों से चल रहे आंदोलन का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। राजनीतिक गलियारों में संदेशखाली का मामला गरमाने के बाद अब प्रशासन की नींद खुली है और गरीबों को न्याय मिलना शुरू हो गया है। अब संदेशखाली में जबरन हड़पी गई जमीन पर कार्रवाई की जा रही है और जमीन को मूल मालिकों को वापस किया जा रहा है।संदेशखाली में अब तक 61 लोगों को जमीन वापस की जा चुकी है। इस बीच पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में पिछले कुछ दिनों से तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख और अन्य के खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहा है। शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर यहां गरीबों की जमीन हड़पने और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। इसके बाद संदेशखाली मामले में राजनीतिक माहौल गरमा गया। साथ ही स्थानीय लोग भी इस मामले में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

# 'गर्भवती' हैं दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला' की मां

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024 (ए)।** सिद्धू मूसेवाला पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक थे। उन्होंने अपनी आवाज से लोगों के दिलों पर राज किया। उनके गानों की गूंज विदेशों तक सुनाई देती थी, लेकिन साल 2022 में सिंगर की बेरहमी से हत्या कर दी गई। फैंस उन्हें आज तक नहीं भूल पाए हैं। लेकिन इस बीच चौंकाने वाली खबर आ रही है कि सिंगर के माता-पिता जल्द ही मां बनने वाले हैं और वे अपने घर में एक नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं।

जी हां,आपने बिल्कुल सही सुना। दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला के घर में जल्द ही बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है। सिंगर की मां चरण कौर प्रेग्नेंट हैं। मूसेवाला पेरेंट्स जल्द ही अपने घर में नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं। आईव्हीएफ की मदद से सिद्धू मूसेवाला की मां प्रेग्नेंट हुई हैं और वो मार्च में अपने बेबी को जन्म देंगी।

इस खबर को सुनने के बाद जहां कई लोग हैरान हैं, तो सिंगर के फैंस खुशी से झूम उठे हैं। उनका मानना है कि सिंगर सिद्धू मूसेवाला का फिर से पुनर्जन्म होने वाला है। इस बात की जानकारी सिद्धू के चाचा चमकौर सिंह ने दी है। हालाकिं, सिंगर के पेरेंट्स ने अभी तक इन खबरों को कंफर्म नहीं किया है।

बता दें कि सिद्धू मूसेवाला अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। उनकी मौत से उन्हें गहरा सदमा लगा था। परिवार अब तक अपने घर के चिराग की मौत के गम से बाहर नहीं निकल पाया है। ऐसे में सिंगर के पेरेंट्स के फिर से मम्मी-पापा बनने की खबर ने हर किसी को चौंका दिया है।

सिद्धू मूसेवाला की बात करें तो उनका जन्म 17 जून 1993 में हुआ था। सिंगर का असली नाम शुभदीप सिंह सिद्धू था, लेकिन लोग उन्हें सिद्धू मूसेवाला के नाम से जानते थे। कम उम्र में उन्होंने अपनी तगड़ी पहचान बनाई थी। उन्होंने कई हिट गाने गाए थे, लेकिन उन्हें गैंगस्टर रैप सॉन्ग के लिए जाना जाता थे।

## संपादकीय

# हताश युवा क्या करें ?

भारत सरकार ने मान लिया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए रूसी सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। इस प्रकरण में उठा मुख्य मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय नौजवान कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं?भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ऐसे कम-से-कम 100 भारतीय नौजवान रूसी सेना में नौकरी कर रहे हैं। उनमें से कम-से-कम तीन को रूस ने मोर्चे पर तैनात किया है। यानी वे रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं।स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह संभवत- पहला मौका है, जब भारतीयों के सामूहिक रूप से भाड़े के सैनिक बनने की खबर आई है। सामने आई जानकारियों के मुताबिक रूस की सेना ने दुबई के जरिए इन भारतीयों को अनुबंधित किया। रूस के गए नौजवानों के परिजनों का दावा है कि इन लोगों की नियुक्ति रूसी सेना की सहायता के लिए की गई थी, लेकिन यूक्रेन सीमा के पास ले जाकर उन्हें बताया गया कि उन्हें लड़ाई भी लडऩी है। मुद्दा उछलने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार रूस की सेना के साथ संपर्क में है।विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें। लेकिन यह सलाह बेमतलब है। जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे। इसलिए विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय नौजवान विदेशों में कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? आखिर खुद भारत सरकार ने युद्ध-ग्रस्त इजराइल में मेहनत-मजदूरी करने के लिए हजारों युवाओं को भेजने का करार किया है। वहां जाने के लिए जुटी भीड़ में शामिल नौजावनों ने मीडिया से कहा था कि उन्हें इजराइल जाने का जोखिम मालूम है, लेकिन उन्हें लगता है कि यहां भूखों मरने से बेहतर वहां काम करते हुए मरना है। असल मुद्दा युवाओं में समा गई यही मायूसी है। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा में जो नजारा दिखा है, उससे आसानी से समझा जा सकता है कि ऐसी हताशा क्यों पैदा हो रही है। अगर यह स्थिति आज सार्वजनिक विमर्श में सर्व-मुख्य मुद्दा नहीं है, तो रूस गए नौजवानों की तमाम चिंताएं निरर्थक समझी जाएंगी।

# आखिर क्यों मनाते हैं हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ?

डॉक्टर जय महलवाल
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

हमारे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है और यह विज्ञान दिवस बड़ी धूमधाम और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन के साथ मनाया जाता है। सभी शिक्षण संस्थाओं में खासकर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए और विज्ञान में उनकी रुचि को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। हम प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाते हैं क्योंकि इसी दिन भारत में पहले सबसे बड़ी वैज्ञानिक खोज हुई थी जिसे रमन इफेक्ट के नाम से भी हम जानते हैं। 28 फरवरी 1928 को सर सीवी रमन द्वारा जो की एक महान भारतीय वैज्ञानिक हुए, उन्होंने अपने जीवन की सबसे बड़ी खोज रमन इफेक्ट की थी जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। अगर बात विश्व विज्ञान दिवस की की जाए तो सन 1999 में बुडापेस्ट में संयुक्त रूप से मनाया गया सम्मेलन जो कि अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद और यूनेस्को द्वारा विश्व विज्ञान पर मनाया गया था,से इसकी शुरुआत हुई। यूनेस्को द्वारा इस दिवस की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूरे संसार में विज्ञान के लाभों के बारे में और अधिक जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया था। अगर भारत के परिपेक्ष की बात की जाए तो 28 फरवरी 1928 को भौतिक विज्ञानी सीवी रमन द्वारा की गई रमन प्रभाव की खोज को चिन्हित करने के लिए हम प्रतिवर्ष 28 फरवरी को यह राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाते हैं। उनकी इस प्रतिष्ठित खोज के लिए सन 1930 में उनको नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। क्योंकि हमारे बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं इसलिए विज्ञान के क्षेत्र में और अधिक रुचि पैदा करने के लिए हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाते हैं। सन 2023 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का थीम वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान घोषित किया गया था, वही इस वर्ष इसका थीम विकसित भारत के लिए इंडीजीनस टेक्नोलॉजी रखा गया है। विज्ञान के तरीके से भारत को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत पर बल दिया गया है। युवा बच्चों का इस दिन का विशेष महत्व है। फंक्शन हम जो भी पूरे दिन में क्रियाकलाप करते हैं उनके पीछे कहीं ना कहीं विज्ञान छुपा होता है। जाने अनजाने में बच्चे उसे वैज्ञानिक गतिविधि के बारे में अधिक नहीं सोचते हैं, बच्चों में वैज्ञानिक गतिविधियों को अधिक जानकारी बनाने हेतु इस दिवस पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी बहुत सारे कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

सबकी राह आसान हुई विज्ञान से हमारी राह कितनी आसान हुई है इसका अंदाजा है इसी बात से लगाया जा सकता है कि जैसे हम सुबह उठते हैं तो जो भी क्रियाकलाप हम करते हैं जैसे सुबह-सुबह व्यायाम करना, उठने के लिए घड़ी का अलार्म, कपड़े धोने के लिए वाशिंग मशीन, मोबाइल फोन का इस्तेमाल यात्रा करने के लिए किसी वाहन का उपयोग और सबसे बड़ी बात कठिन से कठिन काम को चुटकियों में हल करना जिसके लिए हम कंप्यूटर और मोबाइल का उपयोग करते हैं। यह विभिन्न प्रकार के किया क्रियाकलाप विज्ञान के चमत्कार के कारण ही संभव है। आयोजन अगर शिक्षण संस्थानों की बात की जाए तो इस दिन बच्चों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी, वैज्ञानिक मॉडल, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, पेंटिंग्स,वाद विवाद प्रतियोगिता और व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। बच्चों में वैज्ञानिक रुचि पैदा करने के लिए मुख्य वैज्ञानिकों के जीवन से संबंधित छायाचित्र एवं चलचित्र भी दिखाए जाते हैं।

भारत का भविष्य क्योंकि हमारे युवा बच्चे आने वाले विकसित भारत का भविष्य है, इसलिए बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए भी इस दिन का विशेष महत्व है। अगर आज के समय की बात की जाए तो भारत वर्ष पूरी दुनिया में अपनी वैज्ञानिक खोजने के लिए अपना डंका बज रहा है। चाहे बात फिर रक्षा संबंधित उपकरणों को बनाने की हो, मौसम संबंधी उपकरणों की खोज या चंद्रयान की हो, हमारे देश के वैज्ञानिक अपने क्षेत्र में पूरे विश्व में शीर्ष पर जा रहे हैं। सरकार द्वारा प्रोत्साहन भारत सरकार ने बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने और जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम शुरू किए हैं। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने स्कूली बच्चों के लिए इंस्पायर अवार्ड शुरू किया है जिसका मुख्य उद्देश्य है बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच पैदा करना है। इसके लिए बच्चों को वैज्ञानिक मॉडलों तथा अन्य उपकरणों के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। चुनिंदा बच्चों को विदेश में भी वहां की वैज्ञानिक जानकारी हासिल करने के लिए भेजा जाता है। पिछले वर्ष इसरो ने भी स्कूली विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रयोगशालाएं खोल दी हैं। युविकाङ्क्षइसरो देशभर से 100 छात्रों का चयन करके उन्हें युवा विज्ञानी कार्यक्रम के तहत सैटेलाइट निर्माण की व्यवहारिक प्रक्रिया के बारे में बताएगा। बच्चों के लिए इससे बड़ी बात और क्या होगी कि वह इस छोटी सी उम्र में ही इस तरह के संस्थान में मौका पाएंगे। इससे बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण में और इजाफा होगा।

विशाल देश और विज्ञानिक कम ङ्क हमारा भारत वर्ष एक बहुत विशाल देश है और इसमें अगर वैज्ञानिकों की बात की जाए तो विज्ञानिको की संख्या बहुत ही कम है। बच्चों के पास एक सुनहरा अवसर है कि वह वैज्ञानिक बनाकर अपने देश की सेवा करें। उनको विज्ञान के क्षेत्र में जिस भी प्रकार की रुचि है वह अपने अध्यापकों अपने मां-बाप से उसके बारे में और अधिक जानने का प्रयास कर सकते हैं और वैज्ञानिक बनने की राह में एक कदम आगे और बढ़ा सकते हैं। बच्चों को लाइब्रेरी में अपनी वैज्ञानिक रुचि के अनुसार की पत्र पत्रिकाएं पढ़नी चाहिए, अगर वो पत्र पत्रिका वहां पर उपलब्ध न हो तो अपने माता-पिता से बाजार से मंगवा सकते हैं। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति एक ललक पैदा होगी जो कि उनके सुनहरे भविष्य के लिए नींव का पत्थर साबित होगी।

कुछ प्रसिद्धभारतीय वैज्ञानिक एसएस भटनागर का नाम प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों में इसलिए भी लिया जाता है क्योंकि आजादी के बाद उन्होंने देशभर में वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं को स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सुब्रमण्यम चंद्रशेखर जो की एक मशहूर एस्ट्रोफिजिक्स वैज्ञानिक थे, उनको तारों पर की गई खोज के लिए नोबेल पुरस्कार से 1983 में सम्मानित किया गया था।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रहे हैं। अगर आज की पीढ़ी की बात की जाए तो डॉक्टर कलाम को बच्चे सबसे अधिक जानते हैं। डॉक्टर कलाम हमारे भारतवर्ष के पूर्व राष्ट्रपति भी रह चुके हैं, उनको मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। उनके बच्चों के बीच में जाना और उनसे बात करना पूरे भारतवर्ष में एक सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक को एक विशेष ख्याति प्रदान करता है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइल बनाकर पूरे विश्व में भारतवर्ष का विज्ञान के क्षेत्र में डंका बजाया था।

होमी जहांगीर भाभा प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहांगीर को भारत वर्ष में परमाणु ऊर्जा का जनक माना जाता है। अगर भारतवर्ष आज अंतरिक्ष में इतनी तरक्की कर रहा है तो उसका पूरा श्रेय इस महान वैज्ञानिक को ही जाता है जिन्होंने इसका आधारभूत ढांचा तैयार किया था।

जे सी बसु जगदीश चंद्र बसु भी भारतीय महान वैज्ञानिक हुए जिन्होंने जिन्होंने पौधों के विषय में यह बताया कि पौधों में भी जीवन होता है। पौधे भी मनुष्य की भांति स्पर्श इत्यादि का अनुभव करते हैं, उनमें भी सुनने की शक्ति होती है।वनस्पति विज्ञान में किए गए इस खोज को भारत वर्ष कभी नहीं भूल सकता है। हरगोबिंद खुराना ये भी एक महान भारतीय वैज्ञानिक हुए जिनको चिकित्सा क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने सन 1968 में प्रोटीन संश्लेषण में न्यूक्लिक योटाइड की भूमिका पर महत्वपूर्ण खोज की थी।

सीख हमारे युवा बच्चे इन सब विज्ञान द्वारा किए गए आविष्कारों से सीख लेकर अपने भारतवर्ष को दुनिया भर में शीर्ष पर पहुंचा सकते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# याद पुरानी पर अनमोल

ये बात 19/2/93 की है जब हम होटल पहुँचे पंकज उधास जी का साक्षात्कार करने। मन में एक अलग सा ही उत्साह था एक तो अपने सबसे पसंदीदा गज़ल व गीतकार को न सिर्फ देखना, मिलना पर उनका इंटरव्यू लेना। जितनी खुशी थी उतनी ही नर्वसनेस भी थी।

पर किसी तरह खुद को समेट हमने होटल के कमरे की बेल बजाई और जैसे ही दरवाज़ा खुला सफेद लिबास में चेहरे पर तेज, होठों पर मुस्कान लिए पंकज उधास जी को पाया और जैसे होश गुम ही हो गये, शब्द खो गए बस उन्हें देखते ही रह गए कुछ पल और बिना कुछ कहे भाग आए। वो भी चुपचाप अंदर चले गए। पांच मिनट बाद एहसास हुआ की हुआ क्या

हमने सिर पिट लिया अपना आखिर हो क्या गया था हमें।

कोई पहला इंटरव्यू थोड़ा था जो हम इतना घबरा गए कितने ही कितनी ही हस्तियों के कर चुके थे हर क्षेत्र से चाहे एक्टर हो, ऐक्ट्रेस, सिंगर, फिल्म निर्देशक, खेल जगत फिर आज क्यों इतना शरमा और घबरा गए।

उथल पुथल सी मची हुई थी दिल और दिमाग में अब क्या करें इतना अच्छा अवसर खो दिया दुबारा बेल बजाएं तो उनका रवैया कैसा होगा, नाराज़ होकर डांट तो नहीं देंगे।

पर मिलना तो था इंटरव्यू तो लेना ही था साहस को बटोर कर पुनः बेल बजाई। फिर से दरवाज़ा पंकज जी ने ही खोला और मुस्कुरा करे बोले आप जी कहिए। हमने खुद को समेट हिम्मत कर कहा ÷सर आपके बहुत बड़े फैन हैं इसलिए आपको रूबरू देख खुशी और घबराहट में कुछ कह नहीं पाए और बिना कुछ कहे चले गए प्लस माफ कर दीजिए वो बड़ी ही सादगी और संजीदगी से बोले कोई बात नहीं अक्सर ऐसा हो जाता, आप परेशान न हों।

तब जाकर थोड़ी जान में जान आयी और हमने दिल की बात रखी उनके सामने सर आपका इंटरव्यू लेना चाहते थे आल इंडिया रेडियो व राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र के लिए।

उन्होंने कहा मुझे कोई आपत्ति नहीं पर अभी निकलना है मेरा सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में कार्यक्रम है।

क्या आप वहाँ आ सकते हैं वहाँ ग्रीन रूम में इंटरव्यू ले लीजिएगा। मैं आपको वी आई पी पास दे देता हूँ आप कार्यक्रम में भी शामिल हो जाइगा और इंटरव्यू भी

ले लीजियेगा। चाहें तो मेरे साथ मेरे दोनों भाई मनहर उधास व निर्मल उधास भी हैं उनका भी ले सकते हैं। दिल को इस से ज़्यादा क्या ही चाहिए था जिन्हें सिर्फ रेडियो, कैसट में ही सुना था आज साक्षात स्टेज पर गाते हुए सुनेंगे और देखेंगे। उनकी विनम्र इतनी बोले आप हमारे साथ चलना चाहें तो मोस्ट वेलकम। हमने कहा सर हम पहुँच जाएंगे आपसे वहीं मिलते हैं।

ये कह निकल पड़े सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम के लिए और वहां पहुंच कर एक अलग ही माहौल था। बड़ा सा स्टेज जिस पर सफेद लिबास में पंकज उधास जी हारमोनियम के साथ अपनी गज़लों का गाते हुए। सब एक सपना सा लग रहा था पर ये खूबसूरत हकीकत थी जिसे हमने जिया।

इस तरह न सिर्फ उन्हें देखा, सुना रूबरू उनका इंटरव्यू भी लिया। साथ ही मनहर उधास व निर्मल उधास जी का भी।

ये दिन इतना खास और यादगार बन गया आज भी जब याद आता है एक खूबसूरत सपना सा लगता है।

कीमती यादगार अनमोल लम्हे जब न सिर्फ तीनों भाइयों से एक साथ मिलने का अवसर मिला, उन्हें सुनने का और इंटरव्यू का भी जो राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित हुआ और युववाणी आकाशवाणी नई दिल्ली में प्रसारित भी हुआ।

उसके पश्चात लंबे समय तक पत्रों के माध्यम से भी उन से संपर्क बना रहा।

कल 26 फरवरी 2024 जैसे ही खबर आई पंकज उधास जी नहीं रहे। दिल रो उठा और पीछे लौट गया उस दिन, उन पलों में जो हमने सजीव जिये थे। जिन्हें दिल में बसाया , पलकों पर बिठाया उन्हें कैसे कहें विनम्र श्रद्धांजलि।क्यों नियति के क्रूर हाथों ने यूँ छीन लिया उन्हें ? जितनी खूबसूरत उनकी आवाज़ उतनी ही खूबसूरत उनकी शख्सियत जिसे हम ने खुद सुना और देखा।

सवाल अब भी बस यही है कैसे कहें अलविदा आपको भीगी हैं आँखें, दिल है भारी

रहेंगे आप सदा अजर,अमर तथा जीवित रहेंगे हमारे दिलों में अपनी गज़लों और गीतों में जो अनमोल धरोहर है न सिर्फ हमारे पास , हर आपके चाहनेवाले और संगीत प्रेमी के पास।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा,
उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## धमतरी तहसील छत्तीसगढ़ के स्वातंत्र्य समर के योद्धा

# बाबू छोटेलाल जी कंडेल नहर सत्याग्रही

धमतरी जिला छत्तीसगढ़ स्वतंत्रता सेनानी मन के दृष्टि से अड़बड़ महत्व पूर्ण स्थान रखते। एकर अलावा ए जिला हर अपन प्राकृतिक नैसर्गिक छटा, वैभव,घनघोर जंगल से आच्छादित ए क्षेत्र ल अपन हरियर हरियर वादी ल सोभायमान करत हे।संगे-संग सम्यक प्रदेश म धान उपज म अग्रणी, ए जिला म महानदी के उद्गम स्थल नगरी सिहावा पर्वत हावय। जिहां ले कल कलावत, निनाद करत पावन सुर सरिता चित्रोतपल्ला महानदी बहत् हावय। अउ इही नदी म रविशंकर जलाशय बांध हावय जेहर प्रदेश के सबले बड़का बांध जेकर ऊँचाई 30.50 मीटर और लम्बाई 1830 मीटर निर्मित करे गय हावय। जेला तत्कालिक प्रधानमंत्री श्री मती इंदिरा गांधी जी के कर कमल से जनता ल समर्पित करे गय हावय ।जे हर क्षेत्र वासी मन के लिए कोनो वरदान ले कम नईए। ए धमतरी जनपद ह धार्मिक पर्यटक स्थल के दृष्टि से भी अड़बड़ समृद्ध हावय। जिहाँ ल बिलाई माता विंध्यवासिनी मंदिर,हावय। गंगरेल म माता अंगार मोती विराजित हे, जे हर अपन वरद हस्त से पूरा क्षेत्र वासी मन ल अपने पुत्र के समान अपन आशीष ल प्रदान करत हावय।बात कर थन इहां के स्वातंत्र्य समर म तहसील के कायङ्काय भूमिका रहिस? त ए तहसील के भूमिका बहुत महत्वपूर्ण अउ अग्रणी रहिस हावय।एला कभु नई भुलाए जा सकय। इहां के अनेक गाथा हे।जे हर इतिहास के पन्ना म स्वर्ण अक्षर म सदा-सदा के लिए अंकित हो गय हावय।

हम बात करथन सन 1920 के, जे बेरा म स्वयं अंग्रेज मन के अत्याचार के खिलाफ बाबू छोटेलाल जी हर आंदोलन म किसान के नेतृत्व करिन। इही सन म अंग्रेज मन नहर विभाग के अधिकारी मन के द्वारा किसान मन ल पानी के अनुबंध कराए बर दबाव डालना शुरू कर दिन। क्षेत्र के किसान मन के उपर ए आरोप लगा दिस की एमन नहर के पानी ल चोराय हावय,जबकि ओ बेरा म सावन के महीना रहिस, जम्मो खेत मन छलकत ले भरे रहिस।किसान मन के सफाई ल अनसुना कर दिए गिस। ऊपर ले ए आरोप लगा दिन की किसान मन नहर ल काट के पानी चुराए हे। अउ ए प्रकार से 4303 रुपया के जुर्माना भी लगा दिए गिस। अउ जुर्माना नहीं पटाय के स्थिति म किसान

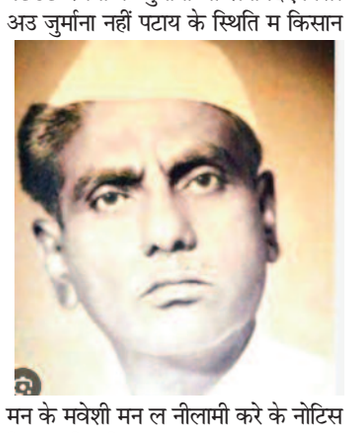

मन के मवेशी मन ल नीलामी करे के नोटिस निकाल दिए गिस।

अईसन बेरा म बाबू छोटेलाल जी हर अंग्रेज मन के खिलाफ आंदोलन म कूद गिस,किसान मन के नेतृत्व करिन, जेहर इतिहास के पन्ना म स्वर्ण अक्षर से दर्ज होगे। अईसे महान स्वतंत्रता सेनानी किसान के हितैषी बाबू छोटे लाल जी के जन्म हर 28 फरवरी 1889 म तहसील धमतरी जिला रायपुर म होईस।अउ फेर बड़े हो के जब उनकर पिता जी के मृत्यु होईस त पढ़ाई-लिखाई के त्याग करके अपन विरासत खेती-बाड़ी के काम ल सम्हालना शुरू कर दिन। ए बेरा म अंग्रेजी शासन के अत्याचार ल देख के उनकर मन ह आक्रोशित होगे।

अउ स्वतंत्रता आंदोलन के नेतृत्व करना शुरू कर दिन।अंग्रेज मन के अत्याचार से व्यथित हो के क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी छोटेलाल जी, पंडित सुंदर लाल शर्मा,नारायणराव मेघावाले आदि मन गांधी जी से मिले के निर्णय लिन।

ओ समय गांधी जी के कलकत्ता म अधिवेशन चल रहिस। ठीक अईसनहे बेरा म छोटेलाल जी, पंडित सुंदर शर्मा जी द्वारा बापू जी ल यहां आए के आग्रह करे गिस,अउ जिला के किसान मन के दयनीय दशा,ऊपर ले अंग्रेज मन के द्वारा लगाए गए टैक्स के मार से अवगत कराए गिस।

तब गांधी जी हर कंडेल नहर सत्याग्रह के जांच के लिए राजेंद्र प्रसाद चक्रधारी,राजगोपालाचार्य,सुंदर लाल शर्मा,सुभद्रा कुमारी चौहान,लक्ष्मण चौहान मन ल धमतरी भेजिस। अउ फेर का हे आंदोलन के सहीङ्कसही विस्तृत रिपोर्ट जब गांधी जी ल मिलीस, त ओहर आंदोलन ल समर्थन देह खातिर कंडेल आय के लिए तियार होगे।गांधी जी के मात्र आय के खबर ल सुनके नहर अधिकारी भी हाथ पाँव फुल गे,अउ तुरते राशि वसूली ल रद्द कर दिन।

गांधी जी हर नहर कंडेल सत्याग्रह के आंदोलन ल सफल ही नई करिस बल्कि क्षेत्र के किसान मन के मांग ल भी अंग्रेज मन से मनवाय म सफल होय रहिस । अउ फेर 20 दिसम्बर सन 1920 ल छत्तीसगढ़ के धमतरी जिला म ग़ांधी जी के प्रथम चरण परिस।जे हर ऐतिहासिक बन गिस।किसान मन म खुशी के लहर दौड़ गिस।हर गाँव, गली, चौक, चौराहा, नगर, शहर, म गांधी जी के एक दर्शन पाए बर,उनकर स्वागत करे बर क्षेत्र की जनता के हुजूम टूट परिस।गांधी जी हर जनता के ए लाड़ प्यार ल देख के गदगद होगे।अउ ए तरह से गांधी जी ईहां आके जनता मन म स्वतंत्रता के अईसे बीज बोईस की देश के स्वतंत्रता प्राप्ति तक इहां के जनता,स्वतंत्रता सेनानी मन अपन तनमन ल समर्पित करके अपन महत्वपूर्ण योगदान दिन। अउ देश ल आजादी दिलाए म महत्वपूर्ण योगदान दिन,जेला कभु भुलाए नई जा सकय।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## मेला राजिम के

ये माघ मा मेला लगे, संगम त्रिवेणी धाम हे।
राजीव लोचन के धरा, अउ संग भाँचा राम हे।।
ज्ञानी महात्मा संत मन, आथे इहाँ दर्शन करे।
शिवलिंग मा जल ला चढ़ा,सुख शांति जिनगी मा भरे।।
उमड़य मनुज के भीड़ हा, चारों मुड़ा धुर्रा उड़े।
छल भेद मन ले त्याग के, आगू बढ़य छोटे बड़े।।
सुकवा पहाती लोग सब, ताँता लगावय द्वार मा।
प्रभु ला निहारे मात्र ले, तरथे मनुज संसार मा।।
ये भक्ति के रद्दा हरे, मिटथे हृदय संताप हा।
भगवान के होथे कृपा, धुल जात जम्मों पाप हा।।
स्वागत इहाँ सब के हवै, रम भक्ति के अब रंग मा।
जिनगी हवय बस चार दिन, बाँटव खुशी सब संग मा।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## महान गजल गायक पंकज उधास को विनम्र श्रृद्धांजलि...

पंकज उधास करके उदास गये
हम सबसे दूर उसके पास गये
गजल सम्राट बड़े विराट थे जो
गायिकी की दुनिया के खास गये
जब वो गाते शब्द घुंघरु बन जाते
लगता गजल के नये प्रयास गये
वो गजलों में मौजूद रहेंगे हमेशा
रव तेरे प्रयास यूं ही कयास गये

व्यग्र पाण्डे
गंगापुर सिटी राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# बात जो दिल को छू गई

सुधीर के ऑफिस के बाहर की गली के किनारे एक जूते वाला जूता पालिश किया करता था । सुधीर उससे प्रायः अपने जूते पोलिश करवाता था ।

एक दिन आफिस की गली से गुजरते वक्त सुधीर ने देखा, जूते पॉलिश की जगह कोई 15-16 साल का बच्चा बैठा है और वह जूते पॉलिश कर रहा है । सुधीर ने वहां जाकर उस बच्चे से पूछा, बेटा ! कौन हो तुम ? यहां तो कोई और व्यक्ति जूते पोलिश किया करता था । आज तुम कैसे ?

उस बच्चे ने बड़ी मासूमियत से उत्तर दिया, साहब वह मेरे पापा है, उनकी तबीयत 3 दिन से बहुत खराब है, लेकिन हमारे लिए वह रोज काम पर आ रहे हैं । आज मैंने अपना स्कूल छोड़कर पिताजी को आराम करने के लिए कहा है, वह हमारे लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं, तो मेरा भी फ़र्ज है कि मैं उनका साथ निभाउं । मैं इसलिए पढ़ाई भी अच्छे से कर रहा हूं ताकि मेरे पिताजी को फिर हमारे लिए, यूं सड़कों पर जूते पोलिश ना करनी पड़े ।

उसे बच्चों की इतनी प्यारी बात सुनकर मेरा मन द्रवित हो गया। मैंने जूते पोलिश करवा कर कुछ रुपए अतिरिक्त देने की कोशिश की , बेटा यह लो तुम्हारे पैसे ! यह क्या साहब हम गरीब परिवार से हैं, पर हम अपनी मेहनत का ही कमा कर खाते हैं जो दो रोटी हमें सुख की मेहनत की कमाई से मिलती है उसका स्वाद और कहीं नहीं। यह अतिरिक्त पैसे आप रख लीजिए । नमस्ते साहब ! उस छोटे से बच्चे की खुद्दारी और साफ दिल से निकली हुई बात मेरे दिल को छू गई ।

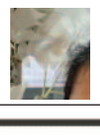

-मोनिका डागा आनंद ,
चेन्नई,तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# पढ़ाई का महत्व

हर बार के तरह एक और अनुभव लेखिका मुस्कान केशरी जी अपनी लेख मे प्रस्तुत कर रही हैं। हाल में ही लेखिका एक शादी मे गई थी। शादी के दौरान कई लोगो से मुलाकात हुई। जान-पहचान के साथ-साथ अंजान लोग भी मिले। कुछ लोग शादी में नाच-गान देख रहे हैं, तो कुछ खाने में व्यस्त थे। लेखिका अपनी दोस्तों के साथ कही बैठने के लिए जगह खोज रही थी मगर इतनी भीड़भाड़ होने के कारण बैठने की जगह नहीं है। सभी को बैठने की इच्छा थी, इसलिए वो जगह खोज रही है और आखिर में कोने मे एक जगह मिल जाती हैं। जहाँ जाकर सभी बैठ गए और बातचीत करने लगे। सभी ने देखा-कि दो लड़का-लड़की साथ मे बैठे हैं। दोनो के कानो मे हेडफ़ोन लगा हुआ है। आजकल कहीं पर भी लड़की-लड़का साथ मे होते हैं तो बात बनाते तो सभी को लगा कि प्रेमी-जोड़ा होगे। लेखिका ने बड़ी नम्रता के साथ उनके पास गई और देखी कि दोनो परीक्षा हेतु कुछ वीडियो देख रहे हैं। बात करने के दौरान पता चला कि दोनो भाई-बहन है और दोनो का अगले दिन एस एस सी जीडी का परीक्षा है इसलिए वो पढ़ रहे थे क्योकि उनको कैसे भी करके परीक्षा पास करना है, नौकरी करना है। इसलिए वो शादी के भीड़भाड़ को छोड़कर कोने में पढ़ रहे थे। जब जाकर लेखिका ने बताया अपनी सहेलियो को कि हर लड़का-लड़की का गलत संबध हो जरूरी नहीं, वो दोनो भाई-बहन और परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं और आप लोगो को बिना बात के उन दोनों को मजाक उड़ा रहे हैं। तब ही लेखिका को यह अनुभव हुआ कि लोग असलियत नहीं जानते हुए बात बनाते और नाम खराब करते हैं। आज के समय में यह बहुत ही शमनार्क बात है और दूसरी अनुभव कि आज के समय में युवा पीढ़ी को बहुत कुछ झेलना पड़ रहा है, हर इंसान नौकरी करना चाह रहा है। दिन-रात करने के बाद भी नौकरी नही मिल पा रही है। आज के समय में पैसे बहुत महत्व रखती है। सभी पाठको से निवेदन होगा कि बिना जाने किन्ही को बदनाम ना करे।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# पटवारी के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

## पटवारी संघ कलम बंद आंदोलन पर,दिया धरना

- संवाददाता -
सूरजपुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कमलपुर गांव में सीमांकन के दौरान पटवारी के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पटवारी संघ आज से कलम बंद आंदोलन करते हुए थाना के सामने टेंट लगाकर धरना पर बैठ गया हैं।

इससे पूर्व पटवारी संघ ने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपते हुए दो दिवस में गिरफ्तारी की मांग की थी जिसमें यह कहा गया था की गिरफ्तारी नहीं होने पर कलम बंद आंदोलन किया जाएगा।कार्रवाई नहीं होने पर पटवारियो ने आंदोलन शुरू कर दिया है। ज्ञापन में कहा गया है कि 19 फरवरी को कमलपुर गांव में सीमांकन करने गए हल्का पटवारी मोती सिंह ठाकुर के साथ कुछ लोगों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दिया और खसरा पंचशाला को भी फाड़ दिया। इस घटना की रिपोर्ट हल्का पटवारी द्वारा उच्चाधिकारियों को देते हुए कोतवाली में दर्ज कराया,मगर घटना के आठ दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है जिससे पटवारी में भय का माहौल है पटवारी को फोन से धमकी भी मिल रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पटवारी संघ ने कलम बंद आंदोलन पर जाने का निर्णय लिया है और थाना के सामने टेंट लगाकर धरना पर बैठे गये हैं। मंगलवार को आंदोलन स्थल पर नगर निरीक्षक पहुंच कर पटवारियो को आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया गया मगर पटवारी संघ जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रखने पर अड़े हुए है। आंदोलन में अमित सिं,मनोज गुप्ता,मोती लाल,सतकोंन प्रताप,प्रकाश सिंह,प्रताप सिंह मंजीत यादव,रिजवान अली,सीमा रवि,सरिता नाग कुसुम आदि पटवारी शामिल रहे।

# दहेज प्रताड़ना से परेशान नव विवाहिता ने कर ली थी आत्महत्या,पुलिस ने पति, सास-ससुर व जेठ को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

दहेज प्रार्थना से परेशान होकर नव विवाहिता ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में गांधीनगर पुलिस ने मृतका के पति, सास, ससुर व जेठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के ग्राम आरा निवासी अब्दुल रउत की पुत्री रुखसाना खातून (26) का विवाह वर्ष 2023 में अंबिकापुर के गोधनपुर निवासी मो.राशिद से हुआ था। 11 दिसंबर 2023 को रुखसाना ने अपने ससुराल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या के बाद नव विवाहिता के मायके वालों ने पति, सास-ससुर व जेठ पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया था। गांधीनगर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना में प्रताड़ना का मामला पाए जाने पर गांधीनगर पुलिस ने आरोपी मृतका के पति राशिद अंसारी (28), सास नशिदा परवीन (50) ससुर शमीम इकबाल (59) एवं जेठ मनऊव्वर (33) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 306, 498 (ए), 34 के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, महिला आरक्षक त्रिलोचनी राजवाड़े, आरक्षक पवन यादव, अनिल पैकरा, रामकेश्वर सिंह, केशर सिंह शामिल रहे।

# अति दुर्घटना जन्य क्षेत्रों का किया गया चिन्हांकित, लगाए जाएंगे स्पीड लिमिट बोर्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं आरटीओ के संयुक्त तत्वाधान में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 130 स्थित मेंड्राकला ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना जन्य क्षेत्र भिट्ठीकला का निरीक्षण कर सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों एवं उनके निदान के सम्बन्ध में अग्रिम कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई। अति दुर्घटना जन्य क्षेत्र सम्बन्धी बोर्ड लगाने, संकेतकों एवं वाहन स्पीड लिमिट बोर्ड लगाने के लिए संबंधित स्थलों का चिन्हांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग से उप अभियंता गौतम नरवरिया, आरटीओ से निरीक्षक अनूपम पटेल, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त, सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, आरक्षक पवन कनौजिया, रामाशंकर यादव सहित मेंड्राकला सरपंच शामिल रहे।

संयुक्त टीम द्वारा ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया गया।

### पुलिस ने 21 वाहनों पर की चलानी कार्रवाई

रिंग रोड में यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों एवं भारी वाहनों पर पुलिस ने सोमवार को भी कार्रवाई की है। पुलिस ने अभियान चलाकर कुल 21 वाहन चालकों से कुल 19 हजार 500 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई है।

# आकाशीय बिजली चपेट में आने से एक बच्चे की मृत्यु,चार घायल,एक नर्स भी झुलसी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

मंगलवार को अचानक मौसम में बदलाव आ गया जिससे क्षेत्र में बिजली की चमक के साथ बारिश भी हुई इसी दौरान आकाशी बिजली की चपेट में आने से बिहारपुर क्षेत्र के खैरा गांव के एक प्राथमिक पाठशाला में अध्यनरत चौथी कक्षा के बालक की मौत हो गई है, जबकि चार बच्चे घायल हो गए।आंगनबाड़ी केंद्र वैक्सीनेशन के लिए गई एक नर्स के भी घायल होने की खबर है। सभी घायलों का बिहारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

मौसम के बदले मिजाज के बीच जिले के ओडगी विकासखंड के ग्राम पंचायत खैरा के प्राथमिक पाठशाला रेडियापारा में दोपहर 1.30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्चे का मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि चार बच्चे घायल हो गए जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में किया जा रहा है।प्राथमिक उपचार के बाद घायल चार बच्चों को बेहतर उपचार के लिये जिला चिकित्सालय सूरजपुर रिफर किया गया है।आकाशीय बिजली की चपेट में बच्चे उस समय आए जब स्कूल में लंच की छुट्टी हुई थी इसी दौरान बच्चे आकाशीय बिजली की चपेट में आ गये जिसमें 10 वर्षीय कक्षा चौथी का छात्र लक्ष्मण सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि घायलों में 8 वर्षीय अमरजीत सिंह,सहदेव सिंह,शिवराम सिंह,भवन सिंह सभी बच्चे घायल हो गए जिनको तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए बिहारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया यहां स्वास्थ्य लाभ लेकर उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। इधर दूसरी ओर बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी केंद्र रेडियापारा में वैक्सीनेशन के लिए एक स्वास्थ्य कर्मी गई हुई थी वह भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से घायल हो गई है उसका उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहरसोप में किया रहा है।

## भाजपा की सरकार आते ही प्रदेश में कानून व्यवस्था हो गई है बदहाल : विकल झा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति और बढ़ते अपराध को राजनीतिक संरक्षण देने के विरोध में युवक कांग्रेस ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विकल झा ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। अपराधियों का मनोबल बढ़ा है। नाबालिग युवको की टोली गैंग बनाकर रोज वारदात दे रहे हैं। अमेरा खदान से संगठित गिरोह खुलेआम चोरी कर रही है। सूरजपुर जिले में मासूम रिशु का फिरौती के लिए अपहरण कर उसकी हत्या कर दी जाती है। एक महीने तक पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। अपराधियों को सत्ता का राजनैतिक संरक्षण है। विरोध प्रदर्शन के दौरान अनिल सिंह कर्नल,आशीष वर्मा, चन्द्र प्रकाश सिंह ,शिवेश सिंह बाबू, दिनेश शर्मा, रजनीश सिंह, निक्की खान, आतिश शुक्ला,हिमांशु जायसवाल, अमित तिवारी राजा, शुभम जायसवाल,विकास केशरी, आकाश अग्रहरि, हिमांशु अग्रवाल, अंकित जायसवाल, अमित सिंह रिंकू, सतीष घोष, लक्की मथारू, राजा धंजल, रोशन कन्नौजिया, मोंटी सिंह, आशीष शील, केदार यादव, जीशान रजा अभिषेक सोनी, ऋषि राज, करण,पवन ,गौतम, मन्नू चौधरी, शशि शर्मा मौजूद थे।

## सेवा किटी का स्थापना दिवस 10 मार्च को

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

सेवा किटी की आवश्यक बैठक अलंकार ग्रीन्स में शारदा अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वन्दना दत्ता द्वारा विगत 4 वर्षों का आय व्यय की जानकारी दी गई। सेवा किटी द्वारा छोटी-छोटी बचत कर कई सेवा कार्य किए गए। संस्था द्वारा तीसरा वाटर कुलर गांधी चौक दुर्गा मंदिर में लगाया गया है। वहीं 10 मार्च को संस्था का स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व सेवा किटी के स्मारिका का प्रकाशन एवं विमोचन किया जाएगा। बैठक में डॉ. पुष्पा सोनी, सन्तोष पांडेय, जया तिवारी, सरिता भाटिया, बलविन्दर टुटेजा, संजीता स्वर्णकार, नीलिमा गोयल, रश्मि गुप्ता, लिलि बसु, बानी मुखर्जी, अमित मिश्रा, स्मिता तिवारी शामिल रहे।

# मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने जंगल में कर ली थी आत्महत्या,दम्पति गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बकनाकाला जंगल में 23 फरवरी को एक युवक ने मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने दम्पति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शंकर नगेशिया (27) लुण्ड्रा थाना क्षेत्र ग्राम बकनाकला का रहने वाला था। वह 23 फरवरी को चितवा डोंगरी जंगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने मृतक के परिजन का बयान दर्ज किया। बयान में परिजन ने पुलिस को बताया कि गांव के ही रामकुमार नागेश एवं उसकी पत्नी सविता द्वारा मोबाइल चोरी करने की बात को लेकर मृतक के साथ मारपीट व मानसिक प्रताड़ना किया गया था। मृतक द्वारा लज्जित होकर मोबाइल वापस कर दिया गया था। मारपीट व प्रताड़ना से युवक काफी लज्जित हो गया था। लज्जित होकर युवक ने चितवा जंगल में 23 फरवरी को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी दम्पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके खिलाफ धारा 306 व 34 के तहत अपराध दर्ज कर जेल दाखिल कर दिया है।

## बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ बतौली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार अरविन्द यादव ग्राम चिरगा थाना बतौली का रहने वाला है। वह 22 फरवारी को बाइक से बतौली साप्ताहिक बाजार गया था। वहीं से इसकी बाइक अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। वह मामले की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम जरहापारा बनेया थाना सीतापुर निवासी शनिराम मांझी उर्फ जकनु (20) गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक सुमन कुजूर, आरक्षक भगलू पैकरा, राजेश खलखो, पंकज लकड़ा, अशोक भगत,जयनाथ, हरिनन्दन राम, रामदेव शामिल रहे।

# जिले में तेज आंधी के साथ हुई बारिश, मौसम हुआ शुष्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। शाम चार बजे के बाद तेज हवा के साथ बूंदा बांदी बारिश हुई। इसे मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया। वहीं मौसम वैज्ञानिक का मानना है कि आगे दो से तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। तेज हवा व गरज के साथ बारिश हो सकती है। वहीं कई जगहों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। उत्तरी सर्द हवा चल रही है। उत्तर भारत में बर्फबारी का असर इधर भी दिख रहा है। मौसम पूरी तरह बदला हुआ है। मंगलवार को पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। शाम चार बजे के बाद तेज हवा के साथ बूंदा बांदी बारिश हुई। इसे मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया। वहीं मौसम वैज्ञानिक का मानना है कि आगे दो से तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम में आए बदलाव का असर तापमान में भी दिख रहा है न्यूनतम तापमान 14.5 व अधिकतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं मौसम में बार बार बदलाव आने के कारण मौसम शुष्क हो गया है। एक ओर सुबह शाम ठंड महसूस हो रहा है वहीं दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस की जा रही है। ठड़ व गर्म के कारण लोग बीमार भी पड़ रहे हैं।

# तहसीलदार की रिपोर्ट पर भाजपा युवा नेता गिरफ्तार, महोत्सव के दौरान हुई थी हाथापाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

मैनपाट महोत्सव के दौरान भाजपा युवा नेता और तहसीलदार के बीच हाथापाई हुई थी। इस मामले में पुलिस ने भाजपा युवा नेता को सोमवार की शाम को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ 23 फरवारी को किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुंचे थे। कार्यक्रम के पहले दिन मंच में नाम पुकारने के बाद भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विक्की सोनी द्वारा मंच में चढ़ने का प्रयास किया गया। इस दौरान तहसीलदार ने उन्हें जाने से रोक दिया। जहां दोनों के बीच हाथापाई हो गई। इसके बाद दूसरे दिन क्षेत्रीय विधायक रामकुमार टोप्पो और जिला प्रशासन के बीच समझौता करने की बातचीत हुई। बावजूद तहसीलदार ने कमलेश्वरपुर थाने में इसकी शिकायत दर्ज करवाई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने भाजपा युवा नेता को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

CMYK

# काकर ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में कामकाज रोका,

## बोले:अब नई गठबंधन सरकार देगी फाइल को मंजूरी

**इस्लामाबाद,27 फरवरी 2024।** बलूचिस्तान आवामी पार्टी के नेता अनवर-उल-हक काकर ने मंगलवार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपना आधिकारिक कामकाज रोक दिया दिया। कई फाइल उनकी मंजूरी का इंतजार कर रहीं थीं, लेकिन उन्हें लौटा दिया गया है। सभी प्रमुख फैसले अब अगले महीने की शुरुआत में बनने वाली नई गठबंधन सरकार पर छोड़ दिए गए हैं।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, काकर ने कहा कि सभी लंबित फैसले और प्रस्ताव अब नई सरकार के पास भेज दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम अब नई सरकार के शपथ ग्रहण का इंतजार कर रहे हैं। हम बाद में नई सरकार की गतिविधियों और परियोजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। बलूचिस्तान के नेता काकर पिछले साल अगस्त में कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने थे।

इस बीच, सोमवार को नया संवैधानिक संकट तब खड़ा हो गया, जब राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने 29 फरवरी को नई नेशनल असेंबली के पहले सत्र को बुलाने के प्रस्ताव को कथित तौर पर खारिज किया। जिओ न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि राष्ट्रपति अल्वी ने कार्यवाहक संसदीय मामलों के मंत्रालय के प्रस्ताव को खारिज किया और कहा कि सभी आरक्षित सीट को सत्र को बुलाने से पहले आवंटित किया जाएगा, जिसमें नेशनल असेंबली के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे।

2018 में देश के राष्ट्रपति बनने से पहले अल्वी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की ओर झुकाव रखने वाले नेता हैं। खबर में कहा गया, राष्ट्रपति के प्रस्ताव को खारिज करने के बाद नेशनल असेंबली के निवर्तमान स्पीकर राजा परवेज अशरफ ने 29 फरवरी को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाने का फैसला किया। यह फैसला नेशनल असेंबली सचिवालय के उन वरिष्ठ अधिकारियों और संवैधानिक विशेषज्ञों के परामर्श का पालन करता है। जिन्होंने राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने से पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के मुताबिक, संवैधानिक प्रावधान के अनुसार नेशनल असेंबली की बैठक चुनाव के 21 दिनों के भीतर बुलाई जानी चाहिए। अनुच्छेद 91 के तहत 29 फरवरी को यह आदेश दिया गया है।

अगर नेशनल असेंबली की बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार 29 फरवरी को होती है, तो नए स्पीकर का कार्यक्रम शपथ के बाद उसी दिन जारी किया जाएगा। इसके बाद एक मार्च को स्पीकर के चुनाव के लिए कागजात जमा किए जाएंगे और दो मार्च को डिप्टी स्पीकर के साथ स्पीकर का चुनाव किया जाएगा।

# ग्रीस के पूर्व राजा से जुड़े कार्यक्रम में नहीं जाएंगे प्रिंस विलियम, निजी कारणों का दिया हवाला

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024।** ग्रीस के दिवंगत पूर्व राजा कॉन्स्टेंटाइन के सम्मान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम शिरकत नहीं करेंगे। प्रिंस ऑफ वेल्स के केंसिंग्टन पैलेस कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। निजी कारणों के चलते उन्होंने भाग न लेने का फैसला किया है। कार्यालय ने बताया कि ब्रिटेन शाही परिवार ने ग्रीस शाही परिवार को फोन कर बताया है। वहीं विलियम की पत्नी केट मिडलटन के स्वास्थ्य से जुड़े अपडेट को देते हुए कहा गया कि उनके स्वास्थ्य में सुधार आ रहा है।

### पिछले साल जनवरी में हुआ था निधन

गौरतलब है कि विलियम को दिवंगत ग्रीस राजा से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होना था, जिनकी पिछले साल जनवरी में मृत्यु हो गई थी। बता दें कैंसर का इलाज करा रहे किंग चार्ल्स III भी समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं, उनकी पत्नी रानी कैमिला ब्रिटिश शाही परिवार की सबसे वरिष्ठ प्रतिनिधि के रूप में समारोह में शामिल होंगी।

### ग्रीस के अंतिम राजा थे कॉन्स्टेंटाइन

ऐसा माना जाता है कि किंग चार्ल्स, किंग कॉन्स्टेंटाइन के करीबी थे, जो उनके दूसरे चचेरे भाई थे। ग्रीस के अंतिम राजा कॉन्स्टेंटाइन जिन्होंने 1964 से 1973 तक सैन्य तख्तापलट तक शासन किया था और जनवरी 2023 में 82 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

रानी कैमिला को कार्यक्रम में मेहमानों के लिए एक निजी रिसेप्शन की मेजबानी करनी है, जिसमें क्वीन ऐनी-मैरी, हेलेन्स की पूर्व रानी, साथ ही विंडसर कैसल में ग्रीक शाही परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं।

# रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में क्यों नाकाम रही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद? भारत ने उठाई बदलाव की मांग

**वॉशिंगटन, 27 फरवरी 2024।** भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मौजूदा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सवाल उठाते हुए पूछा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में क्यों असफल रहा? भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पुरानी व्यवस्था में बदलाव की मांग की। यूएन जनरल असेंबली प्लेनरी की बैठक हुई, जिसमें रुचिरा कंबोज ने उक्त सवाल उठाए।

### बेअसर साबित हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

रुचिरा कंबोज ने कहा रूस-यूक्रेन युद्ध को चलते हुए दो साल का समय बीत चुका है। ऐसे में हमें बतौर संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को कुछ पल रुककर सोचने और अपने आप से पूछने की जरूरत है कि क्या निकट भविष्य में इस संकट का समाधान निकल सकता है? और अगर नहीं निकल सकता तो फिर संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था, खासकर सुरक्षा परिषद क्यों है? इसका गठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और सुरक्षा के लिए किया गया था, ऐसे में ये क्यों मौजूदा संघर्षों को सुलझाने में पूरी तरह से बेअसर साबित हुई है?

जनरल असेंबली प्लेनरी की बैठक में बोलीं रुचिरा कंबोज

बीते शुक्रवार को यूक्रेन संकट पर संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली की प्लेनरी बैठक हुई। इसी दौरान भारत की संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग उठाई। रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुराने ढांचे में बदलाव की मांग की और कहा कि जब तक इसमें बदलाव नहीं होंगे तब तक सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रहेगी।

### कूटनीतिक स्तर पर ही निकल सकता है समाधान

रुचिरा कंबोज ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान को भी दोहराया, जिसमें पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि ये युद्ध का युग नहीं है। कंबोज ने कहा कि यूक्रेन हालात को लेकर भारत चिंतित है। हम लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इंसानी जिंदगी की कीमत पर कोई समाधान नहीं होना चाहिए। हिंसा किसी के भी हित में नहीं है। कंबोज ने कहा कि कूटनीतिक तरीके से ही शांति संभव है और इसके लिए सभी पक्षों के बीच बातचीत होनी चाहिए। हमें ऐसे कदम उठाने से बचना चाहिए, जिनसे बातचीत और समाधान के रास्ते बंद हो जाएं।

# वीजा रैकेट में शामिल ब्रिटिश एयरवेज का कर्मचारी फरार,

## भारतीय समकक्षों संग मिलकर तलाश रही ब्रिटेन की पुलिस

**लंदन, 27 फरवरी 2024।** ब्रिटेन की पुलिस अपने भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश एयरवेज (बीए) के एक कर्मचारी की तलाश कर रही है। कर्मचारी वीजा रैकेट मामले में फरार चल रहा है और कथित तौर पर भारत में है। मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

द सन अखबार की खबर के मुताबिक, व्यक्ति (चौबीस वर्षीय) हीथ्रो हवाई अड्डे के टर्मिनल पांच पर सुपरवाइजर के रूप में काम करता था। बताया जाता है कि जब किसी यात्री की कोई खामी निकलकर सामने आती थी तो वह उसका गलत इस्तेमाल करता था। आरोपी लोगों को बिना जरूरी वीजा दस्तावेजों के ब्रिटिश एयरवेज से यात्रा कराने के लिए प्रत्येक यात्री 25 हजार पाउंड लेता था। फरार कर्मचारी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

ब्रिटेन की पुलिस अब उसका पता लगाने के लिए अपने भारतीय समकक्षों के साथ मिलकर काम कर रही है। व्यक्ति को कथित तौर पर छह जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उसे छह जनवरी को जमानत पर रिहा किया गया। इसके बाद वह ब्रिटिश एयरवेज के एक साथी के साथ गायब हो गया। बताया जा रहा है कि उसने भारत के लिए उड़ान भरी थी। उसने कथित तौर भारत में कई संपत्तियां खरीदी हैं।

खबर के मुताबिक, व्यक्ति अस्थायी यात्री वीजा पर ब्रिटेन जाने वाले अपने ग्राहकों को दूसरे विमान से किसी ओर देश जाने की भी व्यवस्था करता था। उसके इन ग्राहकों में ज्यादातर भारतीय थे। जबकि अन्य ग्राहक ब्रिटन में शरण वाले थे, जिन्हें अपने मूल देश लौटने का डर रहता था।

अखबार ने एक सूत्र के हवाले से कहा कि व्यक्ति ने इस खामी का फायदा उठाया कि आव्रजन (इमिग्रेशन) जांच अब अधिकारी नहीं करते हैं, बल्कि एयरलाइन के कर्मचारियों करते हैं। खबर में कहा गया है कि गलत आंकड़ों (डाटा) की प्रविष्टि (एंट्री) करके व्यक्ति ने लोगों को उन देशों में भी जाने दिया, जहां उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं थी। ये यात्री अपने दस्तावेजों को फाड़ देते थे और शरण का दावा करते थे। ब्रिटिश एयरवेज के प्रवक्ता ने कहा कि वह मामले की जांच में अधिकारियों का सहयोग कर रहे हैं।

# अज्ञात युवक की तालाब में मिली जांच, जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -

**अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।** शहर के कन्यापरिसर रोड स्थित बिशुनपुर तालाब में मंगलवार को अज्ञात युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। फिलहाल शव को पहचान के लिए मरच्यूरी में रखवा दिया है।

जानकारी के अनुसार कन्यापरिसर मार्ग स्थित बिशुनपुर तालाब में एक युवक की पानी में तैरती लाश देख क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची गांधीनगर थाना पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवा शिनाख्त करने की कोशिश शुरू कर दी है। शव पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। फिलहाल पुलिस शव के शिनाख्ती के लिए मरच्यूरी में रखवा कर परिजन का इंतजार कर रही है।

# कार्रवाई के विरोध में भाजपा नेता ने ग्रामीणों के साथ थाना पहुंचकर किया विरोध प्रदर्शन

- संवाददाता -

**अंबिकापुर, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।** अमेरा कोयला खदान में डकैती के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ लखनपुर थाना पहुंचकर कार्रवाई गलत बताते हुए लखनपुर थाने का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने सब एरिया मैनेजर पर दबाव बनाने के लिए फर्जी रिपोर्ट दर्ज कर ग्रामीणों को फंसाने का आरोप लगाया है।

कोयला चोरी और डकैती के मामले में लखनपुर पुलिस ने एफआईआर की गई थी। मामले में ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। मंगलवार को लखनपुर थाना में फर्जी मामला बताते हुए ग्रामीणों थाने का घेराव कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों के साथ भाजपा पदाधिकारी भी शामिल रहे। ग्रामीणों ने कहा कि एसईसीएल के सब एरिया मैनेजर के इशारे पर पुलिस फर्जी प्रकरण दर्ज कर रही है। इस दौरान 30 से 40 की संख्या में भाजपा नेता और स्थानीय लोगों ने थाना में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। मामले को लेकर विधायक राजेश अग्रवाल ने एसडीओपी अखिलेश कौशिक से फोन पर चर्चा की। एसडीओपी ने आरोपों की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। वहीं ग्रामीणों ने कलेक्टर और सरगुजा एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा है कि अमेरा खुली खदान में पिछले दिनों तांबे के केबल की डकैती के मामले में पुलिस ने निर्दोष ग्रामीण भोलाराम राजवाड़े, अमोल राजवाड़े, गणेश राजवाड़े, सिंग साय राजवाड़े के खिलाफ धारा 395 के तहत कार्रवाई की है।

# इमरान खान और बुशरा बीबी की मुश्किलें बढ़ीं,

## अदालत ने अल-कादिर ट्रस्ट मामले में तय किए आरोप

**इस्लामाबाद, 27 फरवरी 2024।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। इस बीच, अदालत ने मंगलवार को दोनों के खिलाफ 190 मिलियन पाउंड के अल-कादिर भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय किए हैं। न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में सुनवाई की। कई मामलों में इमरान इसी जेल में सजा काट रहे हैं।

न्यायाधीश ने अदालत कक्ष में इमरान खान और बुशरा बीबी की मौजूदगी में आरोप पत्र पढ़ा। अल-कादिर ट्रस्ट के नाम पर सैकड़ों नहरों की जमीन का कथित तौर पर अधिग्रहण किया गया था। मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने इमरान खान, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की थी। जिसमें सरकारी खजाने को 190 मिलियन पाउंड का नुकसान होने का मामला सामने आया था।

जिओ न्यूज की खबर के मुताबिक, सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि मामले में 58 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। न्यायाधीश ने इमरान खान के खिलाफ आरोप तय करते समय पूछा कि क्या वह दोषी हैं या नहीं। इमरान ने जवाब दिया, मुझे आरोप पत्र क्यों पढ़ना चाहिए, जब मुझे पता है कि उसमें क्या लिखा है? इमरान खान और उनकी पत्नी दोनों ने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनका किया। मामले की सुनवाई छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। जवाबदेही अदालत ने एनएबी के पांच गवाहों को भी सुनवाई में शामिल होने का आदेश दिया। एक जवाबदेही अदालत ने तोशाखाना मामले में इमरान और बुशरा को 14 साल की सजा सुनाई थी। बुशरा को इमरान के इस्लामाबाद स्थित बनी गाला आवास में नजरबंद किया गया है।

### क्या है अल-कादिर ट्रस्ट मामला

अल-कादिर ट्रस्ट मामला 190 मिलियन पाउंड के समझौते से जुड़ा है। जिसे ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी ने पाकिस्तानी कारोबारी मलिक रियाज हुसैन से रकम वसूलने के बाद पाकिस्तान भेजा था। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने रियाज पर 450 अरब रुपये का जुर्माना लगाया था। जिसके बाद इमरान ने प्रधानमंत्री रहते हुए कारोबारी को लंदन से लौटी रकम का इस्तेमाल करने की अनुमति कारोबारी को दे दी थी। इसके बदले कारोबारी ने कथित तौर पर इमरान खान और उनकी पत्नी के ट्रस्ट को पंजाब के झेलम जिले के सोहावा इलाके में अल-कादिर विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए करीब 57 एकड़ जमीन उपहार में दी थी।

# भारतवंशी लड़की की मौत के मामले में परिवार ने पुलिस पर लगाए कुप्रबंधन के आरोप, कहा- हम चुप नहीं बैठेंगे

**लंदन,27 फरवरी 2024।** ब्रिटेन में हुई भारतीय मूल की एक नाबालिग लड़की की हत्या के मामले में नई-नई शिकायतें सामने आ रही हैं। लड़की और उसके दोस्त के परिवार वालों ने पुलिस पर मामले से निपटने में कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। दरअसल, पिछले साल नॉटिंघम में मेडिकल की छात्रा ग्रेस ओ-मैली कुमार अपने दोस्त बार्नाबी वेबर के साथ यूनिवर्सिटी वापस जा रही थी, तभी उन के साथ चाकूबाजी की घटना हुई थी, जिसमें दोनों की मौत हो गई थी। बताया गया है कि पुलिस ने घटना से जुड़े कई संदेश अपने परिवारों से साझा किए थे, जो कि ड्यूटी नियमों के खिलाफ थे।

### हम लोग शांति से नहीं बैठेंगे

एक रिपोर्ट के अनुसार, कुमार और वेबर परिवारों ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि नॉटिंघमशायर पुलिस के इस व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए और बदलाव लाने चाहिए। हम लोग शांति से नहीं बैठेंगे, जब तक बदलाव नहीं होगा।

### 11 पुलिस पर आरोप

एक जांच में पाया गया था कि जांचकर्ता पुलिसकर्मियों ने लड़की की चोटों से जुड़ी डिटेल्स वॉट्सएप पर साझा की थीं। 11 पुलिसकर्मियों पर सामग्री देखने का आरोप लगा था। तीन को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा, लेकिन आठ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

### किसी और निर्दोष परिवार के साथ न हो

इस पर दोनों पीड़ितों के परिवारों ने कहा, हम चुप नहीं रहेंगे। इस व्यवहार पर ध्यान दिया जाना चाहिए और तत्काल बदलाव किए जाने चाहिए क्योंकि अन्य निर्दोष परिवारों के साथ ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हमने लंबा बयान इसलिए भेजा क्योंकि हमारी गंभीर चिंताओं और नॉटिंघम पुलिस द्वारा चल रहे कुप्रबंधन को प्रकाश में लाया जाए।

### मीडिया को रिपोर्ट करने से रोका

परिवारों ने पिछले हफ्ते आयोजित हुई ऑफ-द-रिकॉर्ड प्रेस ब्रीफिंग के लिए भी पुलिस की आलोचना की। इस प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों से कहा गया था कि वे चर्चा की गई जानकारी की रिपोर्ट नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, हमें इस बात का कोई उचित तर्क नहीं मिला कि पुलिस ने मीडिया से उनके आचरण या जांच पर रिपोर्टिंग करने से रोकने का प्रयास क्यों किया।

### 25 जनवरी को आरोपी को भेजा था मानसिक चिकित्सा केंद्र

गौरतलब है, 25 जनवरी को 32 वर्षीय कैलोकेन को नॉटिंघम क्राउन कोर्ट में सुनवाई के बाद मानसिक चिकित्सा केंद्र में हिरासत में भेज दिया गया था। इस घटना पर ग्रेस के साथ जान गंवाने वाली एमा वेबर की मां ने नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने जांच के तरीकों पर सवाल उठाए थे।

### लाल सागर में जहाजों पर नहीं थमे हमले, अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों के हथियारों के गोदाम तबाह किए

**वॉशिंगटन, 27 फरवरी 2024।** इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर लगभग दो दर्जन हमले हो चुके हैं। यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे में अमेरिका ने एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की है। उसने लाल सागर में बढ़ते तनाव के बीच यमन के हूती नियंत्रित इलाकों में आत्मरक्षा के लिए हमले किए।

# सरकार बदली,विधायक बदले पर नहीं बदला तो प्रशासन का चेहरा

## पिछले कांग्रेस सरकार में जिन अधिकारियों से परेशान होती थी जनता उन्हे ही क्या विधायक ने अपने आंखो पर बैठाया ?

### कई कलेक्टर बदले पर कोरिया कलेक्टर को मिला वरदान

प्रदेश में विष्णुदेव सरकार बनने के बाद कोरिया जिले में भी प्रशासन का चेहरा बदलने की उम्मीद की जा रही थी,कई प्रशासनिक अधिकारियों से आम जनता त्रस्त थी,विधायक बदलने के बाद लोग यह उम्मीद लगाकर बैठे थे कि अब वास्तव में प्रशासनिक अधिकारी बदल दिए जांएगे लेकिन अब तक के कार्यकाल में ऐसा कुछ नही हो सका है। सूत्र बतलाते हैं कि प्रशासनिक अधिकारियों को विधायक और भाजपा संगठन का साथ मिलने के कारण उन्हे नही बदला जा सका है,जबकि वे अधिकारी कांग्रेस शासन काल में बिठाए गए हैं। ज्ञात हो कि पूर्व में हुए फेरबदल में प्रदेश में लगभग दो दर्जन कलेक्टर एवं बड़ी संख्या में डिप्टी कलेक्टर,संयुक्त कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर बदले गए हैं कोरिया में भी कुछ डिप्टी कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर बदले तो गए लेकिन जिस संयुक्त कलेक्टर से आम जनता त्रस्त है उसे नही बदला जाना एक सवालिया निशान है। वर्तमान कलेक्टर भी कांग्रेस सरकार में लाए गए हैं उनके कार्यकाल में भी कुछ विशेष उपलब्धि नजर नही आती लेकिन उन्हे अभयदान मिलना समझ से परे है।

### एसडीएम अंकिता सोम से त्रस्त थी जनता,लेकिन उनका भी तबादला नही करा सके विधायक भईयालाल

जब कांग्रेस की सरकार और स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव थी तभी संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम को जिला मुख्यालय का एसडीएम बनाया गया है। उन्हे एक समय और अधिक जिम्मेदारी दे दी गई थी। पूर्व शासन काल में उनके द्वारा अपने कार्यालय में ना बैठा जाना आम बात हो चुकी थी,उनके कार्यालय में कोई भी काम करा पाना आसान नही था और आज भी आसान नही है। एसडीएम की कार्यशैली एवं उनके कार्यालय में फैली अव्यवस्था को लेकर कई बार खुद भैयालाल राजवाड़े द्वारा विरोध किया जाता रहा है लेकिन अब उनके विधायक बनने के बाद तीन माह बीत जाने के बाद भी अंकिता सोम ही एसडीएम पद पर बनी हुई हैं यह बात समझ से परे है। एसडीएम अंकिता से स्थानीय जनता त्रस्त थी लेकिन उनका भी स्थानांतरण ना करा पाना एक बड़ा सवाल है।

### कम से कम मुख्यालय से हटाया जा सकता था एसडीएम अंकिता सोम को

जिले में मुख्यालय एसडीएम महत्वपूर्ण स्थान रखता है,संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम पिछले एक वर्ष से अधिक समय से मुख्यालय एसडीएम पद पर काबिज हैं उनकी कार्यशैली किस प्रकार की है यह किसी से छिपी नही है। मनमुताबिक चहेते पटवारियों की पदस्थापना का मामला हो या फिर कार्यालय से नदारद रहने की बात इन सब में वे माहिर हैं यही नही उनकी कार्यशैली भी आम जन मानस के हिसाब से सही नही है। भाजपा सरकार आने के बाद लोगो को उम्मीद थी कि अब यहां से एसडीएम अंकिता सोम को हटा दिया जाएगा लेकिन ऐसा अभी तक नही हो सका है। विधायक भैयालाल रजवाड़े से भी लोग उम्मीद लगाकर बैठे हैं कि ऐसे अधिकारियों को कम से कम मुख्यालय एसडीएम ना बना कर रखें।

## कैसे होगी सुशासन की परिकल्पना पूरी,सवालिया निशान...क्या पूराने जनप्रतिनिधियों से भी संबंध निभा रहे हैं अधिकारी ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में सत्ता बदली,विधायक बदले लेकिन कोरिया जिले में नही बदला तो प्रशासन का चेहरा और ना ही काम करने का तरीका,जिससे आम जनमानस एक बार फिर मायुश दिखलाई दे रहा है,हमने पहले ही लिखा था कि किसी भी शासन के लिए प्रशासन अति महत्वपूर्ण अंग है,प्रशासन जैसा काम करेगा वैसी ही छवि शासन की बनेगी और इसका नफा नुकसान सिर्फ और सिर्फ शासन का ही होना है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में प्रशासन ने जैसा हाल जिले का कर रखा था वह किसी से छिपा नही है,और इसी का खामियाजा भूपेश सरकार को भी अविभाजित कोरिया जिले से भुगतना पड़ा है। पूर्व शासनकाल में कोरिया जिले में भी अराजकता की स्थिति निर्मित थी जिससे जनता त्रस्त थी। अब एक बार फिर भाजपा सरकार में वही अधिकारी प्रमुख प्रशासनिक पदों पर बैठे हुए हैं स्थानीय विधायक से लेकर गिनती के भाजपा नेताओं की जी हुजुरी कर प्रशासनिक अधिकारी जिले में ही पैर जमा कर रखे हुए हैं जिससे कि उनके हौसले बुलंद हैं और वे अपनी पुरानी चाल को दोहरा रहे हैं। आम जन मानस की उम्मीद पर सरकार और सत्ताधारी दल कैसे खरे उतरेंगे यह सोचनीय विषय है।

### जो थे कांग्रेसियों के खासमखास उन्हे ही भाजपाईयों का सहारा मिला

यह बात किसी से छिपी नही है कि वर्तमान में कोरिया जिले में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर बैठे अधिकारियों से कांग्रेसियों का संबंध कैसा है,यही वजह है कि आज भी भाजपाईयों की तुलना में कांग्रेसी अपना कोई भी काम करा लेने में आगे हैं। जिले में बैठे प्रशासनिक अधिकारी भी कांग्रेसियों से अपना संबंध पूर्व की भांति ही निभा रहे हैं। जबकि भाजपाई दूर दूर तक नजर नही आ रहे हैं। तीन माह बीत जाने के बाद भी प्रमख अधिकारियों का ना बदला जाना विफलता एवं कमजोर राजनैतिक इच्छा शक्ति का परिचायक है। कांग्रेसी अधिकारियों के खासमखास रहे अधिकारियों को भाजपाई अब सहारा दे रहे हैं यह बात आम जन मानस को भी समझ नही आ रहा है।

### दो तबादला लिस्ट हुई जारी पर नहीं था उसमें एसडीएम का नाम

लगातार चुनाव से पहले तबादला हो रहा है और कयास लगाई जा रही थी कि कोई बदले चाहे ना बदले पर आने वाली तबादला सूची में एसडीएम बैकुंठपुर का नाम जरूर होगा पर दो सूची आकर चली गई पर इन दोनों सूची में लोग एसडीएम का नाम खोजने रहेगा पर उसे सूची में इनका नाम नहीं था, पूरा जिला इस बात का कयास लगाए बैठा था कि अब जो सूची आएगी उसमें बैकुंठपुर एसडीएम का तबादला होना तय है पर सिर्फ कायस,कायस तक ही रह गया ऐसा बताया जा रहा है कि संरक्षण ही उन्हें बचा रहा है।

### जिले में कई डिप्टी,संयुक्त कलेक्टर लेकिन अंकिता सोम पर ही क्यों मेहरबान हैं कलेक्टर कोरिया

बतलाया जाता है कि जिले में फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों की कमी नही है,अनुभवी मिलनसार एवं कार्य के प्रति जवाबदेह अधिकारी भी मौजूद हैं लेकिन एसडीएम अंकिता सोम जैसी अधिकारी को मुख्यालय का एसडीएम बना कर रखा जाना कलेक्टर कोरिया की कौन सी मजबूरी का हिस्सा है यह समझ से परे है। वर्तमान में कोरिया में डिप्टी कलेक्टर,संयुक्त कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर के पद भी भरे हुए हैं,एसडीएम अंकिता सोम को मुख्यालय से हटाकर कहीं भी बैठाया जा सकता है लेकिन कलेक्टर कोरिया के द्वारा ऐसा ना किया जाना हास्याप्रद है।

### क्या एक महिला अधिकारी सब पर हैं भारी,क्या उन्ही के हिसाब से चल रहा कोरिया जिला प्रशासन ?

बतलाया जाता है कि एसडीएम अंकिता सोम इन दिनों कोरिया जिला प्रशासन को चला रही हैं,ऐसा कोई भी काम नही जो उनकी मर्जी के खिलाफ हो। कई अधिकारी भी उन्हे सुपर कलेक्टर की संज्ञा देते फिरते हैं,कलेक्टर कार्यालय में आयोजित होने वाली बैठकों में भी उनका हाव भाव देखकर लोग भयभीत रहते हैं। इस महीने के पूर्व में झुमका महोत्सव संपन्न हुआ है,महोत्सव के नाम पर किस प्रकार वसूली हुई है उससे अभी तक कई प्रशासनिक अधिकारी नही उभर पाए हैं। महोत्सव का सारा जिम्मा एसडीएम के उपर ही था बाकि अधिकारी सिर्फ उनके ईशारे पर नाच रहे थे। सूत्रो ने बतलाया कि जिले में एक महिला अधिकारी ने अपना टार्गेट पूरा नही किया उसे लेकर भी एसडीएम द्वारा काफी धमकी चमकी की गई थी,यह सभी बाते अधिकारियों के बीच ही तैरती रहती हैं लेकिन उनका इतना भय है कि कोई कुछ बोलना नही चाहता।

### लोकसभा चुनाव में रिटर्निंग आफिसर नही होंगी अंकिता सोम

संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में एसडीएम अंकिता सोम को ही बैकुंठपुर विधानसभा का रिटर्निंग आफिसर बनाया गया था,कलेक्टर सिर्फ जिला निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे। चुनाव की पूरी जिम्मेदारी भी अंकिता सोम को ही दी गई थी किस अव्यवस्था के साथ भगवान भरोसे चुनाव संपन्न हुआ यह सिर्फ अधिकारी कर्मचारी ही बता सकते हैं। इस बार चुनाव आयोग ने संबंधित लोकसभा के मुख्यालय कलेक्टर को ही रिटर्निंग आफिसर बनाया है यानि की अंकिता सोम इस जवाबदेही से मुक्त हो गई हैं इसके बाद इस बात की अड़चन भी समाप्त हो गई है कि उन्हे रिटर्निंग आफिसर होने के कारण नही हटाया जा सकता है। यदि आम जनता में वर्तमान सरकार को अपनी छवि बरकरार रखनी है तो अतिशीघ्र अंकिता सोम को एसडीएम बैकुंठपुर से हटाया जाना चाहिए जो कि त्रस्त जनता की मांग है।

# एमसीबी पत्रकार भवन के नाम पर मिली राशि से बने भवन पर प्रेस क्लब ने लिखवाया अपन नाम,दूसरे संगठन ने किया विरोध दर्ज

### भवन पर अब एक मात्र पत्रकार संघ का कब्जा,क्या अलग अलग पत्रकार संघों को सरकार उपलब्ध कराएगी पत्रकार भवन ?

### भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र,भवन का नाम पत्रकार भवन करने की मांग

### मामला एमसीबी जिले में बने पत्रकार भवन से जुड़ा हुआ,कलेक्टर कार्यालय से कुछ दूरी पर बना है पत्रकार भवन

### पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के विधायक ने पत्रकारों की मांग पर स्वीकृत किया था पत्रकार भवन

-रवि सिंह-
एमसीबी, 27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

एमसीबी नवीन जिले में बने पत्रकार भवन को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार संघ ने अपना विरोध दर्ज कराया है और यह विरोध भवन को दिए गए नाम को लेकर दर्ज कराया गया है जिसके अनुसार अब नवीन बना पत्रकार भवन प्रेस क्लब भवन के नाम से जाना जाएगा जिसे बड़े बड़े अक्षरों में लिखवाया गया है भवन पर जो तस्वीरों में देखा जा सकता है। पुरवर्ती कांग्रेस सरकार के विधायक से जिले के पत्रकारों ने पत्रकार भवन की मांग की थी जिसे लेकर विधायक ने स्वीकृति प्रदान करते हुए घोषणा की थी जो नवीन जिले के कलेक्टर भवन के समीप बनाया गया और बनाने का बाद जिसका नामकरण जब किया गया तब भवन का नाम पत्रकार भवन की जगह प्रेस क्लब भवन रख दिया गया जबकि भवन का नाम पत्रकार भवन ही रखा जाए यह मांग पहले से ही राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने कर रखी थी।

भवन की स्वीकृति मिलते ही यह मांग राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने कलेक्टर से की थी और कहा था की भवन का नाम किसी पत्रकार संघ ने नाम पर न करते हुए पत्रकार भवन ही रखा जाए जिससे भवन का लाभ सभी पत्रकारों को मिल सके क्योंकि पत्रकारों के कई संघ हैं और एक संघ के नाम से भवन होने पर भवन को लेकर दिक्कतें आएंगी क्योंकि किसी संघ विशेष के नाम से भवन होने पर संघ विशेष ही उसपर अपना आधिपत्य समझेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ और प्रेस क्लब ने भवन का नाम अपने संघ के नाम से रख लिया। वैसे पत्रकार भवन जब स्वीकृत किया गया और जब इसकी घोषणा हुई तभी इसका अंदेशा अन्य पत्रकारों को हो गई थी जो अन्य पत्रकार संघों के थे की पत्रकार भवन एक संघ का भवन होकर रह जायेगा और एक ही संघ इसे अपने अधिपत्य में ले लेगा क्योंकि उस समय विधायक के साथ रहने वाले पत्रकार ही इसकी देखरेख कर रहे थे वहीं वही उसके निर्माण की पूरी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे जिससे जब भवन पूर्ण हो तब वह अपने संघ का नाम भवन को प्रदान कर सकें। हुआ भी वही तत्कालीन विधायक भरतपुर सोनहत के करीबी पत्रकार जो प्रेस क्लब के सदस्य हैं उन्होंने भवन का नाम प्रेस क्लब के नाम से रख दिया और अब जिसको लेकर पुनः शिकायत सामने आ रही है ।

### संघ के नाम से पत्रकार भवन का नाम यदि स्थापित हुआ तो अन्य पत्रकार संघ भी अलग भवन की करेंगे मांग,सरकार को होगी परेशानी

जिले में बना पत्रकार भवन जब स्वीकृत हुआ था तब यह स्पष्ट था की भवन पत्रकारों के लिए होगा वह भी समस्त पत्रकारों के लिए जिससे वह अपनी बैठकें कोई समूह आयोजन वहां कर सकें । भवन किसी पत्रकार संघ के ही लिए बना है या स्वीकृत हुआ है ऐसा कहीं उल्लेखित नहीं था। अब जब भवन पूर्ण हो गया और भवन का नामकरण हुआ तो ज्ञात हुआ की भवन एक संघ के नाम से स्थापित या जाना जाएगा। अब यदि ऐसा ही रहा तो अन्य पत्रकार संघ अलग अलग पत्रकार भवन की मांग करेंगे जिससे सरकार को ही दिक्कतें होगी क्योंकि कई पत्रकार संघ हैं और सभी अलग अलग भवन की मांग करने लगेंगे।

### पूर्व कांग्रेस विधायक के करीबी पत्रकारों ने प्रेस क्लब भवन दिया नाम

बताया जा रहा है की प्रेस क्लब नाम होगा पत्रकार भवन का यह तय कांग्रेस के पूर्व विधायक के करीबी व कांग्रेस समर्थित पत्रकारों ने किया है। वह भवन की घोषणा के बाद से ही इसके लिए सक्रिय थे और प्रेस क्लब के वह सदस्य भी हैं, उन्होंने जैसे ही भवन निर्माण कार्य पूर्ण हुआ वैसे ही भवन का नामकरण कर दिया और अन्य संघ देखते ही रह गए।

**प्रेस क्लब भवन की जगह पत्रकार भवन नामकरण करने की मांग कलेक्टर एमसीबी से भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने की**

मसीबी जिले में बने पत्रकार भवन का नाम प्रेस क्लब भवन रख दिया गया है। अब इस नाम का विरोध होने लगा है। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने इस मामले में कलेक्टर एमसीबी को पत्र लिखा है और मांग की है की जिले में नव निर्मित भवन जो पत्रकारों के लिए बना है उसका नाम प्रेस क्लब भवन की जगह पत्रकार भवन किया जाए जिससे सभी पत्रकार भवन का उपयोग कर सकें। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के इस मांग के पीछे यह तथ्य है की एक संघ विशेष के नाम से यदि पत्रकार भवन का नाम रखा जायेगा तो वह संघ विशेष का ही भवन बनकर रह जायेगा इसलिए नाम पत्रकार भवन रखा जाए जिससे भवन किसी संघ का न होकर समस्त पत्रकारों के लिए उपयोगी साबित हो।

# छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कोरिया ने सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को दिया समर्थन

**29 फरवरी को सर्व आदिवासी समाज ने धरना प्रदर्शन करने का लिया है निर्णय**

**आदिवासी युवती के इलाज में लापरवाही को लेकर है सर्व आदिवासी समाज नाराज**

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

29 फरवरी को सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस जिला कोरिया का भी समर्थन मिलता नजर आ रहा है जिसकी सूचना जिलाध्यक्ष विजय सिंह ने प्रशासन सहित सर्व आदिवासी समाज को प्रदान कर दी है।

जिलाध्यक्ष विजय सिंह ने कलेक्टर कोरिया को लिखे पत्र में उल्लेखित किया है की आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म साथ ही दुष्कर्म के बाद ज्वलनशील पदार्थ उसके ऊपर डालकर जलाने के प्रयास में युवती गंभीर रूप से घायल हुई थी जली थी जिसके इलाज में घोर लापरवाही बरती गई है घटना की प्रथम विवेचना में भी गलतियां हुई हैं जिसके लिए 29 फरवरी को एक दिवसीय धरना देकर सर्व आदिवासी समाज न्याय की मांग करेगा जिसमे छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस जिला कोरिया का भी पूर्ण समर्थन धरना प्रदर्शन को दिया जाएगा। वैसे घटना को लेकर जो जानकारी समाने आई है उसके अनुसार पीड़िता का इलाज फिलहाल राजधानी के अस्पताल में हो रहा है।बता दें की आदिवासी युवती के साथ हुए दुष्कर्म और उसके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसे जलाने मामले को छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष कोरिया विजय सिंह ने ही तब ध्यान देना आरंभ किया जब युवती की गंभीर स्थिति कि उन्हें जानकारी हुई। उनके द्वारा आदिवासी युवती के परिजनों को दो हजार रूपये की आर्थिक मदद भी की गई है वहीं उसे राजधानी में बेहतर इलाज के लिए तब ही भेजा गया जब उन्होंने मामले को लेकर तत्परता दिखाई जैसा उन्होंने बताया।

# लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को रेणुका सिंह ने किया खारिज

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,27 फरवरी 2024 (घटती-घटना)।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने फिर से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया है। रेणुका सिंह ने बयान जारी कर कहा है कि वो भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की जनता के सेवा के लिए आई है और यहाँ पूरे 5 साल रहकर भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की जनता की सेवा करेंगी। रेणुका सिंह ने कहा कि मैं अपने कार्यो से अपने शब्दशैली से यहां की जनता को इतना मजबूर कर दूंगी की वो दोबारा मुझे चुने। रेणुका सिंह ने इस दौरान पूर्व विधायक गुलाब कमरो द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए बयान को लेकर भी तंज कसा। रेणुका सिंह ने कहा कि चुनाव के दौरान यहां से कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो मुझे लेकर गाना गाते थे कि तुम तो ठहरे परदेशी साथ क्या निभाओगे, चुनाव तारीख के बाद दिल्ली चले जाओगे इस पर मैं अब कहूंगी की मैं यहां से कही जाने वाली नही। मैं परदेशी नही यहां की बेटी हु और इस क्षेत्र के लोगो की सेवा करूंगी पूरे 5 साल। आपको बता दे कि रेणुका सिंह सरगुजा लोकसभा सर सांसद थी व मोदी सरकार में प्रदेश से इकलौती केंद्रीय राज्यमंत्री थी। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने रेणुका सिंह को कोरबा लोकसभा अंतर्गत आने वाले भरतपुर सोनहत विधानसभा से मैदान में उतारा था। रेणुका सिंह ने यहां से कांग्रेस के विधायक रहे गुलाब कमरो को पराजित कर चुनाव जीता।

# सुरक्षा देने वाले ही गुंडागर्दी पर उतारू,सवालों के घेरे में बिजुरी पुलिस

## नहीं दर्ज की एफआईआर,न्याय की आस में भटक रहा मजदूर परिवार

-अरविंद द्विवेदी-
बिजुरी,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिस पुलिस से पीड़ित लोग सुरक्षा व न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं अगर वही गुंडागर्दी पर उतारू हो जाए और आमजन स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे तो भला इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है। बीते दिन बिजुरी नगर में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां एक मजदूरी करने वाली महिला ने शिकायत पत्र देते हुए बिजुरी थाने में पदस्थ पुलिसकर्मियों द्वारा घर में घुसकर गाली गलौज एवं धक्का-मुक्की के साथ ही मारपीट करने की शिकायत पर स्वयं व अपने परिवार की सुरक्षा के साथ न्याय की गुहार लगाई है।

### यह लिखा है शिकायत पत्र में



प्रार्थिया बिजुरी वार्ड क्रमांक 10 अलीनगर बिजुरी में स्थित शाहिद अली के बाड़ा में बने कमरे में अपने पति व बच्चों के साथ किराए के कमरा में रहती है तथा मजदुरी करती है। दिनांक 25.02.2024 को शाम लगभग 8 बजे के आसपास जहां पर मैं और अन्य किराएदार रहते हैं। बिजुरी पुलिस की गाडी चार पहिया जीप में लक्ष्मण दांगी व अनिल नाम के 2 पुलिसकर्मी आए और बाहर का दरवाजा खोलकर अंदर आ गए और बोले कि तुम लोग अभी-अभी रेत से भरा ट्रैक्टर खाली करके आए हो। मां बहन का गाली देते हुए कहा कि कहां खाली किए हो, जब प्रार्थीया ने कहा कि वह ट्रैक्टर में काम नहीं करती है, न ही उसका पति काम करता है। तो लक्ष्मण दांगी व अनिल उसे मां एवं अश्लील गाली जैसे कई अभद्र गाली दिए तथा उसका हाथ पकड़कर उसके कमरे से बाहर ले आए और धक्का मुक्की किए। इतने में प्रार्थीया का पति दौडा तो उसे भी मां,बहन की गाली दिए और मारपीट किए। बोले रुको मैं तुम लोगों को बताता हूँ। प्रार्थिया के साथ हुए घटना को उसके बगल में निवासरत सचिन बसल, अज्जू एवं अन्य देखे सुने हैं। प्रार्थिया व उसके पति को धमकी दिए हैं कि यदि शिकायत करोगे तो फुटबाल बनाकर खेलेंगे, इतना मुकदमा लगाएगे कि पता नहीं चलेगा। प्रार्थीया पुलिस कर्मियों के द्वारा घटित किए घटना को लेकर डरे सहमे हैं तथा भयभीत हैं। प्रार्थिया शाम को घटना को लेकर थाना बिजुरी गई थी जिसे नहीं लिया गया है। इस कारण शिकायत देकर कार्यवाही चाहती है।

### थाना प्रभारी की मनमानी चरम अपने पर

अक्सर यह देखने व सुनने में आता है कि बिजुरी नगर के लोग एफआईआर करवाने के लिए परेशान रहते हैं क्योंकि बिजुरी पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है। वहीं जब कभी लिखित शिकायत आवेदन दिया भी जाता है तो थाना प्रभारी बिजुरी द्वारा शिकायत आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है जिससे शिकायतकर्ता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि आए दिन यह आरोप लगते आ रहे हैं कि गंभीर से गंभीर मामले में भी बिजुरी पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है। शायद थाना प्रभारी अपने थाने के रिकॉर्ड को अच्छा बनाए रखने व अपनी कॉलर ऊंची रखने के लिए ये सब कर रहे हैं।

### सवालों के घेरे में फिर एक बार बिजुरी पुलिस

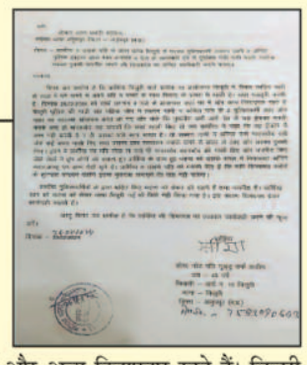

हमेशा की तरह बिजुरी पुलिस एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं जहाँ पीड़िता ने लिखित शिकायत पत्र महिला थाना अनूपपुर में देते हुए कहा है कि बिजुरी थाने के पदस्थ पुलिसकर्मी लक्ष्मण दांगी व अनिल (पुलिस ड्राइवर) द्वारा उसके घर में घुसकर गली गलौज एवं मारपीट करते हुए धमकी दी गई है कि अगर उक्त घटना के संबंध में यदि शिकायत करोगे तो फुटबाल बनाकर खेलेंगे और इतना मुकदमा लगाएगे कि पता नहीं चलेगा। अब सवाल यह है कि जिस पुलिस का काम जनता की सुरक्षा करना है उसी पुलिस के इस अमानवीय रवैये से नगर का एक मजदूर परिवार अपनी सुरक्षा की मांग कर रहा है।

### प्रभारी हटाओ नगर बचाओ की चर्चा जोरों पर

जब से वर्तमान थाना प्रभारी की पदस्थापना बिजुरी में हुई है वो अपना अलग ही सुर साधे हुए हैं। जहां आमजनमानस परेशान और अवैध कारोबारियों की मौज है। थाना प्रभारी की कार्यशैली से असंतुष्ट नगर की जनता वर्तमान थाना प्रभारी को हटाने की बात कर रही है जिसकी चर्चा नगर के हर चौक-चौराहे पर आम हो चली है। वहीं बीते दिनों भाजपा के जिला उपाध्यक्ष द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिया गया शिकायत पत्र भी इस बात की पुष्टि करता है कि थाना प्रभारी राकेश उईके की कार्यशैली से नगर की जनता किस कदर स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही है।

# एकलव्य आवासीय विद्यालय में बच्चों के निवाला में पड़ रहा डाका

## एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में बच्चो को परोसा जा रहा है गुणवत्ता विहीन भोजन

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।




एमसीबी जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में बच्चों को गुणवत्ता युक्त भोजन नहीं मिल रहा हैं। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में जो बच्चों को भोजन के लिए हरी सब्जियां प्राप्त हो रही है वो पूर्णतः गुणवत्ता विहीन और बासी घटिया सब्जियां का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिसे एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को परोसा जा रहा है।

एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में बच्चों को जो भोजन परोसा जा रहा है वह गुणवत्ता विहीन है। जिससे खाने से बच्चो के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता हैं। विधायल में मेन्यू के हिसाब से भोजन नहीं दिया जा रहा हैं। भोजन में जो खादाय समाग्री जिसे ब्रांडेड कंपनी का उपयोग किया जाना है वो खादय सामग्री एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय पोडीडीह के बच्चों को प्राप्त नहीं हो रही है। और खादय सामग्री की मात्रा का उपयोग भी कम किया जा रहा है। एवं खादय सामग्री के मात्रा और बिल में भी भारी हेराफेरी हो रही है। बच्चों को हरी सब्जी की जगह पर ज्यादातर आलू या सोयाबीन की बड़ी या तो पता गोभी लोकी आदि की सब्जी दी जाती है।

सूत्रों से ये भी जानकारी मिल रही है कि एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय पोडीडीह में खादय सामग्री की मात्रा एवं गुणवत्ता सही नहीं होने की वजह से उस भोजन की गुणवत्ता खराब हैं। मेन्यू के अनुसार, बच्चों को भोजन नहीं देना, उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ किया जाना तो आम बात हैं। बच्चों के भोजन में गुणवत्ता का भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है। क्या इसकी जांच कर गड़बड़ी करने वालो पर कार्यवाही होगी? इस एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में सिर्फ चलता है सेटिंग काम यहां पर एक से बढ़कर एक बड़े बड़े कारनामे हुए वो सिर्फ उच्च अधिकारियों की सांठगांठ की भेट चढ़ गये शिकायत जांच जो होती ही रही निष्कर्ष आज तक नहीं निकाला इस कुबेर के खजाने को प्राप्त करने वाले प्रभारी व्याख्याता छोड़ना नहीं चाहते हैं जबकि खड़गवां शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षको की कमी होने के कारण विधालय में बच्चों कि पढ़ाई प्रभावित हो रही है और तात्कालिक कलेक्टर महोदय ने आदेश जारी कर संलग्ननीकरण समाप्त कर दिया था एवं प्रभारी व्याख्याता का नाम उस आदेश में होने बाद भी इस विधालय में पदस्थ प्रभारी व्याख्याता के द्वारा अपने मूल पद पर पदस्थ नहीं हुए एनकेन प्रकार से जुगाड बनाकर एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय में जमे हुए हैं जबकि तात्कालिक कलेक्टर के आदेश के बाद सभी संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारीयो को तत्काल मूल पद पर पदस्थ कर दिया गया मगर इस व्याख्याता में क्या ऐसी विशेषता है कि इन्हें मूल पद पर पदस्थ नहीं किया गया ?

# कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

संवाददाता-
कोरबा,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जन चौपाल में लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रकरण अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार निराकरण के दिए निर्देश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों ने अतिक्रमण हटाने, सीमांकन, राशन कार्ड, मुआवजा, वन अधिकार, आर्थिक सहायता, रोजगार हेतु ऋण दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। इस दौरान कुल 97 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार कार्यवाही समय सीमा सुनिश्चित करें।



उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि, जनचौपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आवेदक को दोबारा जनचौपाल में ना आना पड़े।

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202402020700282**

विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, नरेन्द्र गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार- नरेन्द्र गुप्ता, शैलेन्द्र कुमार गुप्ता,

ईश्तहार

आवेदक नरेन्द्र कुमार गुप्ता आ0 उमाशंकर गुप्ता, निवासी जोडा पीपल केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4393/5 रकबा 0.046 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाईन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/03/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/02/2024 को जारी किया जाता है।

(सील) तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर



# नेशनल लाइव स्टॉक मिशन अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय पशु मेला संपन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं जिला सूरजपुर डॉक्टर आर. एस. बघेल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सूरजपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मदनपुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय पशु मेला संपन्न हुआ। मेला के दूसरे दिन 26 फरवरी को पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में पशुपालकों द्वारा रुचि ली गई और विभिन्न श्रेणी के पशुधन गाय, बैल, सांड, भैंस, भैसा ,बछड़ा/बछिया, बकरा, बकरी ,सूकर, मुर्गी, बतख, तोता, खरगोश आदि ने भाग लिया। मेला में विभिन्न श्रेणियों के उन्नत पशुधन जैसे दुधारू गाय/भैंस, बछड़ा/बछिया, बेल/भैसा, सांड, बकरा/बकरी, सुकर ,मुर्गी/बतख आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्रेणीवार को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार पशुपालकों को प्रदाय किया गया।

मेला में पशुपालकों को चारा प्रसंस्करण जैसे पैरा का यूरीया उपचार , साइलेज निर्माण एवं अजोला उत्पादन, कम लागत में बनने वाले मुर्गी सेड एवं बकरी सेड का स्टॉल के माध्यम से लाइव डेमोंसट्रेशन करके बताया गया। मेला में पशु चिकित्सा एवं उपचार शिविर का भी आयोजन किया गया उपस्थित पशुपालकों को पशुधन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड व विभागीय योजनाओं से अवगत कराया गया।

मेला में सम्माननीय जनप्रतिनिधि श्रीमती गीता जायसवाल, श्रीमति पुष्पा सिंह, श्रीमती रुकमणी सिंह, श्री ओमप्रसाद सिंह, श्री युग्मेश सिंह, श्री बाबूलाल राजवाड़े, श्री राम सिंह, श्री सत्यनारायण जायसवाल, श्री बाबूलाल यादव, श्री शिव भजन, अध्यक्ष राधा कृष्ण गौशाला समिति मानी श्री राम लखन गुप्ता, अध्यक्ष कान्हा गौशाला समिति मानी श्री अनिल राजवाड़े आदि एवं विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# अभियान सजग के अंतर्गत होटल,लॉज,फेरीवालों, किरायेदारों और संदिग्ध व्यक्तियों की हुई जांच

## 1137 लोगों का एस.एस रोल एवं 20 का बी.सी रोल जारी किया गया और 478 मुसाफिरी दर्ज की गई...

-संवाददाता-
कोरबा,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।



पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना/चौकी क्षेत्र अंतर्गत होटल, लॉज, फेरी करने वाले, किराएदार और संदिग्ध व्यक्तियों के जांच का अभियान चलाया रहा है। पुलिस टीम के द्वारा होटल लॉज में रुकने वाले व्यक्तियों की सूची बनाकर थाने में विधिवत तरीके से दिया जाए और अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल लॉज में रुका हो उसकी जानकारी भी तुरंत नजदीकी थाने में दिया जाए। पुलिस टीम के द्वारा संदिग्धों और मुसाफिरों की जांच को लेकर क्षेत्र में घूम-घूम कर सामानों की फेरी करने वाले, सड़क किनारे जड़ी बूटी, कपड़े, खिलौने बेचने वाले तथा गैस चूल्हा आदि रिपेयर करने वालों को पुलिस थाना में तलब कर उनके वास्तविक पते, वर्तमान गतिविधियों तथा मुसाफिरी दर्ज कराने की जानकारी लिया गया। कुछ फेरीवालों ने थाने में मुसाफिरी दर्ज नहीं कराये थे उन्हें फटकार लगा कर उनका मुसाफिरी दर्ज किया गया है। अब तक कोरबा पुलिस के द्वारा मुशाफिरी जांच करते हुए 478 लोगों की जांच की गई है वहीं संदिग्ध अजनबी (एस.एस रोल) के तहत 1137 लोगों की जांच की गई है एवं कदाचारी (बी सी रोल) के तहत उन 20 लोगों की जांच जो जिले से बाहर जाकर कार्य कर रहे है उसकी जांच की गई है । 1137 एस.एस रोल में से 49 उत्तर प्रदेश, 68 बिहार झारखंड, 84 महाराष्ट्र, 40 राजस्थान, 25 हरियाणा, 48 उड़ीसा जैसे राज्यों से है एवं 823 अन्य दीगर जिलों से कोरबा जिले में कार्य करने के सिलसिले में आए हुए है,ऐसे लोगों की जांच कर दीगर राज्य के संबंधित थानों में संपर्क करके उनके बारे में जानकारी ली गई है । इस अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारियों द्वारा फेरीवालों को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहकर सामान्य जीवन व्यतीत करने की समझाइश दी जा रही है एवं अवैध कार्यों में लिप्त न रहे इसकी भी समझाइश दी गई है । पुलिस द्वारा मकानों में रहने वाले मकान मालिकों/ किराएदारों का भी सत्यापन किया गया है साथ ही किराएदारों की सूची तैयार की गई है। सत्यापन कार्य में लगे पुलिस के द्वारा किरायेदारों के आईडी लेकर चेक किया जा रहा है, और उनके कामकाज की जानकारी भी साथ साथ ली जा रही है । पुलिस की टीम के द्वारा यह भी अपील की जा रही है के मकान मालिक की व्यक्तिगत जवाबदारी है कि वह थाने में किराएदार की सूचना दें। उन्होंने मकान मालिकों को हिदायत दिए कि वे मकान किराये पर देने से पूर्व अनिवार्य रूप से किराएदार का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं अगर कोई मकान मालिक नियमों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही हो सकती है। पार्षदों एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर यह कहा गया है के, वे अपने वार्डों के लोगों को जागरूक करे कि यदि किसी भी प्रकार का संदिग्ध कार्य होता दिखे तो उसकी सूचना पुलिस को दे साथ ही किरायेदारों एवं मजदूरों की जानकारी पुलिस को दे जिससे लोगों की आईडी वेरिफिकेशन सुनिश्चित कर सके। पुलिस ने जिले के नागरिकों से अपील की है के वे किसी भी अवैधानिक कार्य से दूर रहे साथ ही नशे के हालात में वाहनों को न चलाए एवं अपने आसपास के लोगों से भी कहे की वे भी ड्रिंक एन ड्राइव न करें ।

# लोक निर्माण विभाग कोरबा के दो अधिकारी पर गिरी गाज, दो को नोटिस जारी

-संवाददाता-
कोरबा,27 फरवरी 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव ने कोरबा जिले के चोटिया-चिरमिरी मार्ग के उन्नयन और नवीनीकरण कार्य में गुणवत्ताहीन निर्माण और अमानक कार्य पर बड़ी कार्रवाई की है। पीडब्ल्यूडी,कोरबा के दो अधिकारियों (एस.डी.ओ) एसपी साहू, (उप अभियन्ता उपसंभाग -2 कटघोरा) राकेश वर्मा को गुणवत्ताहीन निर्माण एवं अमानक कार्य की अनदेखा किया जाने पर निलंबित की कार्यवाही की गई है एवं तत्कालीन ईई ए.के वर्मा और एसडीओ उप संभाग कोरबा आर.एन दुबे को कारण बताओं नोटिस जारी कर सात दिवस के भीतर जवाब देने हेतु निर्देशित किया गया है। यह कार्यवाही प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव के दिशा निर्देश पर किया गया है,जिससे पूरे महकमे में हड़कंप मच गया है।

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा., वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)**

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम पंचायत रमेशपुर तहसील रघुनाथनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र आ0 लालजी जाति कलार निवासी ग्राम रमेशपुर तहसील रघुनाथनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 द्वारा ग्राम रमेशपुर तहसील रघुनाथनगर स्थित अपने अधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख0न0 282 रकबा 0.50 हे0 मे से रकबा 0.04 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 28/02/2024 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
वाड्रफनगर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज

## संक्षिप्त खेल समाचार

### क्रिस गेल और रैना शानदार क्रिकेटर हैं वे अभी भी रनों के भूखे हैं

**ग्रेटर नोएडा, 27 फरवरी 2024।** रेड कार्पेट दिल्ली के कप्तान और पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हर्शल गिब्स यहां खेले जा रहे इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले संस्करण में अपने खेल का आनंद ले रहे हैं।

इस बीच उन्होंने सुरेश रैना और क्रिस गिल की जमकर तारीफ की।

क्रिस गेल और सुरेश रैना जैसे अनुभवी खिलाडिय़ों के खिलाफ खेलने की संभावना से हर्शल गिब्स उत्साहित हैं। हर्शल गिब्स ने कहा, ये टूर्नामेंट काफी अच्छा होने वाला है। गेल और रैना मुझसे कुछ साल छोटे हैं। यहां आना अच्छा लग रहा है। जैसा कि मैंने कहा, वे सभी शानदार क्रिकेटर हैं। वे अभी भी रन के भूखे हैं।

गेल और रैना ने आईवीपीएल में तुरंत प्रभाव डाला और मैदान के चारों ओर छक्के और चौके लगाए। गिब्स को लगता है कि खिलाड़ी मौजूदा लीग में अपनी फ्रेंचाइजी को गौरवान्वित करना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि वे लोग साबित करना चाहेंगे कि उनकी योग्यता क्या है और वे अपनी फ्रेंचाइजी को गौरवान्वित करेंगे। फिर से कुछ क्रिकेट देखने में सक्षम होना बहुत अच्छा है।जैसा कि रेड कार्पेट दिल्ली अपने आगामी मैच में मुंबई चैंपियंस से भिड़ने की तैयारी कर रही है। गिब्स और उनकी टीम एक शानदार प्रदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसका लक्ष्य मंगलवार को आईवीपीएल में एक और जीत हासिल करने के लिए अपने अनुभव और कौशल का फायदा उठाना है।

### मोहम्मद शमी ने कराई सर्जरी

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024।** इंडियन क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी सर्जरी करवा ली है। शमी लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे थे.। शमी की एड़ी की सर्जरी सफल रही। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। शमी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उनकी एड़ी का ऑपरेशन सफल रहा है, लेकिन अभी रिकवर होने में टाइम लगेगा। शमी ने पोस्ट के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी सर्जरी से जुड़ा एक भावुक पोस्ट लिखा. उन्होंने ट्वीट किया, अभी मेरी अकिलिस टेंडन की एड़ी का सफल ऑपरेशन हुआ है! ठीक होने में कुछ समय लगेगा, लेकिन मैं अपने पैरों पर वापस खड़ा होने के लिए उत्सुक हूं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मोहम्मद शमी सर्जरी की वजह से आईपीएल 2024 से बाहर हो गए थे। शमी के न खेलने से गुजरात टाइटन्स को बड़ा झटका लगा था। इसके अलावा स्टार गेंदबाज शमी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरिज भी नहीं खेल पाए थे। उनके अंतिम मैच की बात करें तो वह लास्ट बार नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप मुकाबले में भारत के लिए खेले थे।

# 10 वें और 11 वें नंबर के बैटर के नाम जुड़ा बड़ा कीर्तिमान

**फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में दूसरी बार हुआ ऐसा कारनामा**

**नई दिल्ली,27 फरवरी 2024।** तुषार देशपांडे और तनुष कोटियन ने 10 वें और 11 वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जमाया। यह फर्स्ट क्लास के इतिहास में दूसरी बार हुआ, जब 10वें और 11वें पर शतकीय पारी खेली। मुंबई 337 रनों पर 9वां विकेट गंवाया था, लेकिन इसके बाद तुषार और तनुष की जोड़ी ने बल्ले से धमाल मचाया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 1946 के बाद ये पहली बार हुआ, जब एक ही पारी में 10 वें और 11 वें नंबर के बल्लेबाजों ने शतक लगाए।

इससे पहले 1946 के इंग्लैंड दौरे पर एक टूर मैच में चंदू सरवटे और शुते बनर्जी ने ये कारनामा किया था। इन दोनों खिलाड़ियों ने सरे काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ ये कारनामा किया था।

दरअसल, तुषार देशपांडे और तनुश कोटियन की जोड़ी ने अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करा लिया है। तनुश-तुषार की जोड़ी भारत की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10वें और 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जमाने वाली महज दूसरी जोड़ी है।

इससे पहले यह कारनामा चंदू सरवटे और शुते बनर्जी की जोड़ी ने किया था। घरेलू क्रिकेट में भारत की ओर से यह महज तीसरा मौका है, जब 10 वें विकेट के लिए किसी जोड़ी ने 200 से ज्यादा रन की साझेदारी जमाई है।बता दें कि तुषार देशपांडे का अब रणजी ट्रॉफी में 11 वें नंबर पर सर्वोच्च स्कोर है।

अगर बात करें रणजी ट्रॉफी के दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ रहा। मुंबई की टीम ने पहली पारी में 384 रन बनाए।इसके जवाब में बडौदा टीम 348 रन बनाए। मुंबई की टीम ने दूसरी पारी में 569 रन बनाए। इसके जवाब में बडौदा 121 रन बना सकी।

#### रणजी ट्रॉफी में 11 वें नंबर पर तुषार ने बनाया सर्वोच्च स्कोर

123 - तुषार देशपांडे (मुंबई) बनाम बड़ौदा, 2024

115 - वी शिवरामकृष्णन (तमिलनाडु) बनाम दिल्ली, 2001

# नामीबिया के ईटन की टी-20आई में फास्टेस्ट सेंचुरी

» 33 बॉल में 8 छक्के लगाकर शतक बनाया,

» नेपाल के मल्ला का 153 दिन पुराना रिकॉर्ड तो

**नामीबिया,27 फरवरी 2024।** नामीबिया के बैटर जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक जमाने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में सोमवार को नेपाल के खिलाफ महज 33 बॉल पर सेंचुरी पूरी की। उन्होंने 36 बॉल की पारी में 101 रन बनाए। ईटन की पारी में 11 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

22 साल के ईटन ने नेपाल के बल्लेबाज कुशल मल्ला का 153 दिन पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने एशियन गेम्स-2022 के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 27 सितंबर 2023 को हांगझोऊ में बनाया था। कुशल ने 34 बॉल पर सेंचुरी जमाई थी।

सबसे तेज टी-20 शतक के अलावा ईटन नामीबिया की ओर से एक पारी में बाउंड्री से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने 92 रन बाउंड्री से बनाए। ईटन ने जेपी कोट्जी के 82 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

#### महज 20 रन से जीती नामीबिया

कीर्तिपुर में खेले गए इस मुकाबले में नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम 18.5 ओवर में 186 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस तरह नामीबिया ने 20 रन से जीत हासिल की।इस ट्राई सीरीज में नमीबिया और नेपाल के अलावा नीदरलैंड की टीम हिस्सा ले रही है। यह सीरीज का पहला मुकाबला था।

# श्रेयस अय्यर हुए पूरी तरह फिट

**रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मुंबई के लिए खेलेंगे**

**मुंबई, 27 फरवरी 2024।** आखिरकार भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने रणजी ट्रॉफी 2024 में मुंबई के सेमीफाइनल मुकाबले में चयन के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। उनकी तरफ से ये फैसला पीठ की समस्याओं का हवाला देते हुए पिछले मैच से बाहर होने के बाद आया है। एनसीए ने उस समय स्पष्ट कर दिया था कि टीम इंडिया छोड़ने के बाद बल्लेबाज को कोई ताजा चोट नहीं लगी है और वह फिट है।

वहीं टीओआई के एक सूत्र ने बताया कि, हां श्रेयस अय्यर ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को पुष्टि की है। साथ ही कहा है कि वह अब फिट हैं और मुंबई के सेमीफाइनल मैच के लिए उपलब्ध हैं। बता दें कि, 2 मार्च से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2024 सेमीफाइनल में मुंबई का मुकाबला तमिलनाडु से होगा। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 35, 13, 27 और 29 रन बनाए। इससे पहले कि उन्हें सीरीज से बचे बाकी मुकाबलों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया। अय्यर पिछले 12 महीने से पीठ की ऐंठन से जूझ रहे हैं।

साथ ही बल्लेबाज की पिछले साल मार्च में पीठ की सर्जरी हुई थी और वह पूरे आईपीएल 2023 और डब्ल्यूटीसी फाइनल से चूक गए थे। एशिया कप 2023 के लिए अय्यर की टीम में वापसी हुई लेकिन पीठ में ऐंठन के कारण उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर कर दिया गया।

### शेल्टन अकापुल्को ओपनर में इवांस की कड़ी चुनौती से बचे

**अकापुल्को, 27 फरवरी 2024।** अमेरिका के बेन शेल्टन ने दो घंटे और 45 मिनट में 2-6, 7-5, 7-6(5) से जीत के साथ मैक्सिकन ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाने के लिए मुश्किल ब्रिटिश डैनियल इवांस से कड़ी परीक्षा ली।त्रुटियों से भरा पहला सेट खराब खेलने के बाद शेल्टन ने दूसरे सेट में अपना खेल ढूंढ लिया। दिलचस्प बात यह है कि शेल्टन ने इवांस के खिलाफ कई लंबे अंक जीतना शुरू कर दिया। निर्णायक गेम में 4-5, 0/40 पर सर्विस करते हुए इवांस ने मैच में बने रहने के लिए वापसी की। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, शेल्टन के लिए बड़ा मौका 15/40 पर आया, जब वह बेसलाइन के काफी पीछे से एक फोरहैंड पासिंग शॉट चूक गया।

33 वर्षीय इवांस की अगले गेम में सर्विस ब्रेक हो गई, लेकिन वह मैच में सर्विस नहीं कर पाए और इसका खामियाजा उन्हें आगामी टाई-ब्रेक में भुगतना पड़ा। शेल्टन ने स्विंगिंग फोरहैंड वॉली विनर के साथ अपनी जीत पूरी की।

एक अन्य अमेरिकी-ब्रिटिश मैच में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने सातवीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल को एक घंटे 26 मिनट में 6-0, 6-4 से हरा दिया।यह जोड़ी के बीच वर्ष का तीसरा एटीपी हेड2हेड मुकाबला था और एटीपी आंकड़ों के अनुसार ड्रेपर अपने तीनों ब्रेक प्वाइंट को परिवर्तित करके उन बैठकों में 2-1 से आगे हो गए।

# टेस्ट क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करेंगे भारतीय क्रिकेटर्स

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रेड-बॉल क्रिकेट के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी भागीदारी को प्राथमिकता देने के लिए खिलाडिय़ों के बढ़ते रुझान के बाद टेस्ट मैच फीस में बढ़ोतरी पर विचार कर रहा है।बीसीसीआई इंडियन क्रिकेट प्लेयर्स के टेस्ट मैच की फीस में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रहा है।

इशान किशन की घरेलू क्रिकेट से लंबे समय तक अनुपस्थिति के बारे में सवाल उठने के बाद बोर्ड ने संभवत मैच फीस में बढ़ोतरी का फैसला किया है।

विकेटकीपर-बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टीम प्रबंधन के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया, और इसके बजाय उन्हें अगले महीने से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए बड़ौदा में वर्कआउट और अभ्यास करते देखा गया।

रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित करने की प्रक्रिया में है, जो एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा।

एक सूत्र ने कहा, उदाहरण के लिए, यदि कोई एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज़ खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना है कि अधिक खिलाड़ी रेड-बॉल क्रिकेट के लिए आएं।रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर नए फीस मॉडल को मंजूरी मिल जाती है, तो इसे इस आईपीएल सीजन के समापन के बाद लागू किया जाएगा।

# आईपीएल 2024 के लिए तैयार हैं ऋषभ पंत

**नई दिल्ली, 27 फरवरी 2024।** आईपीएल 2024 के लिए खिलाड़ी और फैंस दोनों ही जमकर तैयारी कर रहे हैं। वहीं लगभग 15 महीने बाद मैदान पर वापसी कर रहे ऋषभ पंत ने भी तैयारी शुरु कर दी हैं। वह समय-समय पर सोशल मीडिया पर जिम वाले वीडियो फैंस के संग शेयर करते हैं। जिस पर फैंस भी उन पर ढेर सारा प्यार लुटाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो पंत ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।लंबे समय बाद पंत मैदान पर लौटने के लिए तैयार बैठे हैं। वह आईपीएल 2024 में खेलते नजर आएंगे। इससे पहले वह खुद को पूरी तरह तैयार कर रहे हैं और जिम में जमकर पसीना भी बहा रहे हैं। पंत ने जो वीडियो में हाल ही में शेयर किया है उसमे वह अलग-अलग तरह की कई एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने खास तरह का मास्क भी पहना हुआ है। वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे अब तक 50 हजार से अधिक लोग लाइक कर चुके हैं और 3 मिलियन से अधिक लोग इसे देख चुके हैं।

# हॉकी इंडिया की सीईओ एलेना नॉर्मन ने छोड़ा पद

**नई दिल्ली,27 फरवरी 2024।** एलेना नॉर्मन लंबे समय से हॉकी इंडिया के सीईओ के पद पर बनी हुई थी, जिसके बाद उन्होंने अब इस पद से इस्तीफा दे दिया है। इस पद पर रहते हुए एलेना को 13 साल हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली एलेना के कार्यकाल में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम ने नई उंचाइयों को छुआ, इस दौरान भारतीय हॉकी टीम ने सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड रैंकिंग हासिल की। साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपना जलवा दिखाया। टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारतीय पुरुष टीम ने 41 साल के अंतराल के बाद कांस्य पदक जीता, जबकि महिला टीम चौथे स्थान पर रही। वहीं एलेना नॉर्मन ने पिछले कुछ महीनों से बकाया राशि का भुगतान नहीं होने के कारण अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। राष्ट्रीय महासंघ के सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। नॉर्मन का त्यागपत्र भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रीय महासंघ उन्हें महत्व नहीं देता और उनका सम्मान नहीं करता।नॉर्मन कात्यागपत्र राष्ट्रीय महासंघ के लिए एक और झटका है जिसने अपने आधिकारिक बयान में उनके पद छोड़ने का सटीक कारण नहीं बताया है। हालांकि सूत्रों ने कहाकि नॉर्मन 'पिछले 3 महीने से बकाया राशि का भुगतान नहीं होने से परेशान थी और वह काम के माहौल से भी नाखुश थी।' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने नॉर्मन का त्यागपत्र स्वीकार करते हुएउनका आभार भी व्यक्त किया।

टिर्की ने बयान में कहा, ''न सिर्फ हॉकी इंडिया के अध्यक्ष बल्कि पूर्व खिलाड़ी और हॉकी प्रेमी होने के कारण मैं पिछले 12-13 वर्षों में उल्लेखनीय योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उनके समर्पण और प्रयासों ने हॉकी इंडिया और भारतीय हॉकी को वर्तमान समय की मजबूत स्थिति में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं भविष्य के लिए उन्हें शुभकामना देता हूं।''नॉर्मन के शीर्ष पद पर रहते हुए भारत की पुरुष और महिला टीमों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी। यही नहीं पुरुष टीम ने तोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर 41 साल से चले आ रहे पदक के इंतजार को खत्म किया था। इन खेलों में महिला टीम भी चौथे स्थान पर रही थी। नॉर्मन ने अपने कार्यकाल का अधिकतर समय अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के हॉकी इंडिया का प्रमुख रहते हुए बिताया।

### श्रिया सरन की ये तस्वीरें निश्चित रूप से आपको मदहोश कर देंगी

थोड़े समय के अंतराल के बाद, श्रिया सरन फिल्म उद्योग में लौट आई और तब से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया है। तेलुगु अभिनेता समय-समय पर फिल्म परियोजनाओं पर काम करते रहे हैं और अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को आसानी से संभाल रहे हैं। उन्होंने 2018 में अपने रूसी साथी आंद्रेई कोसचीव से शादी की और 2021 में राधा नाम की एक बच्ची को जन्म दिया। म्यूजिक स्कूल ने 41 वर्षीय अभिनेता की आखिरी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति को चिह्नित किया। श्रिया की आगामी भूमिकाओं में करण जौहर की एक वेब श्रृंखला शोटाइम और विक्ट्री वेंकटेश अभिनीत एक तेलुगु फिल्म अता नादे वेता नादे शामिल हैं। फ़ैशनिस्टा सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फ़ॉलोअर्स को अपनी फ़िल्म और निजी जीवन के बारे में अपडेट रखने का भी ध्यान रखती है।

# रश्मिका मंदाना ने फैन पोस्ट पर टिप्पणी की

आभनत्रा राश्मका मदाना अक्सर अपन प्रशसका क साशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करती हैं, जिससे वे जुड़े रहते हैं। हालाँकि, उनकी हालिया टिप्पणी ने सभी का ध्यान खींचा जहाँ उन्होंने एक फैन क्लब की पोस्ट पर अपने भावी पति के गुणों पर चर्चा करते हुए टिप्पणी की। पोस्ट के बारे में दिलचस्प बात यह थी कि इसमें कहा गया था कि उसके पति को वीडी जैसा होना चाहिए। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों को उत्साहित करते हुए टिप्पणी की, यह बिल्कुल सच है। बता दें, वीडी अभिनेता विजय देवरकोंडा को उनके प्रशंसकों द्वारा दिया गया उपनाम भी है। विजय और रश्मिका के रिश्ते की अफवाहें 2018 की फिल्म गीता गोविंदम में एक साथ काम करने के बाद शुरू हुईं। हालाँकि, दोनों ने हमेशा कहा है कि वे बहुत अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे के लिए मजबूत सपोर्ट सिस्टम हैं। रश्मिका के फैन क्लब ने पोस्ट में शब्दों के साथ खिलवाड़ किया, जैसा कि उन्होंने लिखा, रश्मिका मंदाना का पति बनने के लिए किसी में क्या गुण होने चाहिए? वह भारत की नेशनल क्रश हैं, उनके पति जरूर खास होंगे। उसका पति तो वीडी जैसा होना चाहिए। मेरा मतलब है बहुत साहसी। कौन उसकी रक्षा कर सकता है। हम उसे रानी कहते हैं. तो उसका पति भी राजा जैसा होना चाहिए। रश्मिका की टिप्पणी ने बहुत ध्यान आकर्षित किया जहां कई प्रशंसकों ने टिप्पणियों और उपहारों क साथ अपना उत्साह साझा किया। एक प्रशसक न टिप्पणा का, मुझे लगता है कि रैश भविष्य में वीडी से शादी करेगा (विंकिंग इमोटिकॉन)। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, वीडी मेरा मतलब विजय देवरकोंडा है। एक प्रशंसक ने लिखा, तो रश्मिकामंदना मैम आप अप्रत्यक्ष रूप से कुछ पुष्टि करते हैं रश्मिका और विजय ने तेलुगु फिल्म गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में साथ काम किया है। दोनों ने हमेशा एक-दूसरे के प्रति सम्मान व्यक्त किया है और किसी महत्वपूर्ण परियोजना की घोषणा होने पर एक-दूसरे का हौसला भी बढ़ाते हैं। वी आर युवा के साथ पहले के एक साक्षात्कार में, रश्मिका ने विजय के बारे में बात की और कहा, वीजू और मैं, हम एक साथ बड़े हुए हैं। इसलिए मैं अभी अपने जीवन में जो कुछ भी करता हूं, उसमें उनका योगदान है। मैं जो भी करता हूं उसमें उनकी सलाह लेता हूं। मुझे उसकी राय चाहिए, और वह हां कहने वाला व्यक्ति नहीं है। वह इस बिंदु पर है, यह अच्छा है, यह अच्छा नहीं है, मैं यही सोचता हूं, यह वह है जो मैं नहीं सोचता। उन्होंने मेरे पूरे जीवन में किसी भी अन्य व्यक्ति से अधिक व्यक्तिगत रूप से मेरा समर्थन किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनका मैं वास्तव में बहुत सम्मान करता हूं। रश्मिका अगली बार तेलुगु फिल्म पुष्पा द रूल और गर्लफ्रेंड में नजर आएंगी। उनके पास विक्की कौशल के साथ हिंदी फिल्म छावा भी है।

### तब्बू, करीना, कृति की क्रू टीजर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया

बहुप्रतीक्षित फिल्म क्रू ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और केवल एक ही दिन में यूट्यूब पर नंबर एक स्थान पर पहुंच गई है। तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन की दमदार तिकड़ी अभिनीत इस एक्शन से भरपूर कॉमेडी ने प्रशंसकों के बीच उत्साह की भावना जगा दी है, जिससे वे इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। क्रू की दुनिया में एक झलक मनमोहक टीज़र क्रू की रोमांचक दुनिया की एक आकर्षक झलक पेश करता है। हम तीन अभिनेत्रियों को फ्लाइट अटेंडेंट के रूप में उग्र और शानदार दिखते हैं, लेकिन दृश्य तुरंत संकेत देते हैं कि ये कोई साधारण एयरलाइन क्रू नहीं हैं। मजाकिया संवाद, हंसी-मजाक के पल और एक शानदार साउंडट्रैक के वादे के साथ, टीजर एक ऐसी फिल्म के लिए मंच तैयार करता है जो निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी। टीजर की अभूतपूर्व सफलता फिल्म की अवधारणा और इसके प्रमुख सितारों दोनों की अपार अपील का प्रमाण है। तब्बू की सशक्त उपस्थिति, करीना कपूर खान की कॉमेडी टाइमिंग और कृति सैनन की संक्रामक ऊर्जा का संयोजन दर्शकों को प्रत्याशा से भर देता है। रहस्य का संकेत और परिचितता का स्पर्श जबकि पूरी कहानी का विवरण गुप्त रखा गया है, टीजर बड़ी चतुराई से संकेत देता है कि क्रू एक डकैती वाली कॉमेडी है, जो ट्विस्ट और टर्न से भरे एक रोमांचक साहसिक कार्य का वादा करती है। कुछ दर्शकों ने इसकी तुलना लोकप्रिय फिल्म कैच मी इफ यू कैन से भी की है।

CMYK

# फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टिंग में नियमों का नहीं हो रहा पालन

**» पर सरकार ने सदन में दिया ये जवाब**

**रायपुर, 27 फरवरी 2024(ए)।** प्रदेश भर में बिजली कारखानों से फ्लाई ऐश का परिवहन जिस तरीके से हो रहा है उस पर सवाल उठते रहे हैं। कांग्रेस के विधायकों ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया, तब मंत्री ने जो जवाब दिया वह भी गोलमोल रहा। ऐसा लगता है मानो विभाग केवल कार्रवाई की औपचारिकता निभा रहा है।

विधानसभा में आज नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत के अलावा कांग्रेस के ही विधायकों व्यास कश्यप और दिलीप लहरिया ने पावर प्लांटों से निकलने वाले फ्लाई ऐश को लेकर प्रश्न पूछा। डॉ महंत ने तो कोरबा जिले में फ्लाई ऐश परिवहन से हो रहे भयानक प्रदूषण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि नई सरकार के आने के बाद राख से प्रदूषण की समस्या बढ़ी है। हालांकि इस मुद्दे पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यत्र-तत्र राखड़ फेंकने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

### फ्लाई ऐश परिवहन को लेकर उठाया सवाल

कांग्रेस विधायक ब्यास कश्यप ने सवाल पूछा कि (क) क्या यह सत्य है कि राखड़ (फ्लाई एश) परिवहन हेतु केन्द्र सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा बनाए गए गाईडलाईन का पालन न करते हुए टेंकर बनाकर बंद ट्रकों की बजाय खुली ट्रकों से राखड़ परिवहन किया जा रहा है? सरकार के गाईड लाईन का पालन कराने हेतु क्या कदम उठाया गया है? (ख) क्या यह सत्य है कि केन्द्र सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की गाईडलाईन में वन भूमि एवं कृषि भूमि पर राखड़ डालने हेतु प्रतिबंधित किया गया है? क्या वर्ष 2021-22 से प्रश्नावधि तक कोरबा एवं जांजगीर- चांपा जिले के वनभूमि (बड़े झाड़ के जंगल) एवं कृषि भूमि पर भारी मात्रा में राखड़ डालने की अनुमति प्रदान की गई है? यदि हां, तो दोषियों के खिलाफ जांच क्या कार्यवाही की गई है? (ग) क्या यह सही है कि कोरबा जिले में गाईडलाईन का उल्लंघन करते हुए जल स्त्रोतों से 500 मीटर से सुरक्षित दूरी के पश्चात राखड़ डालने की बजाय नदी नाले के तट से लगे हुए ग्राम कनकी, कुदुरमाल, तरदा, कटवितला में लाखों टन राखड़ डालने की अनुमति देकर राखड़ डाल दी गई है? यदि हां तो क्या इसकी जांच कर कार्यवाही की गई है?

### मंत्री चौधरी ने दिया यह जवाब

इस सवाल पर वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि (क) ताप विद्युत संयंत्रो से उत्पन्न फ्लाई ऐश का परिवहन खुले ट्रक से न किया जाकर तारपोलिन से ढंके हुये ट्रकों द्वारा किया जा रहा है। फ्लाई ऐश परिवहन बिना ढंके ट्रकों से किया जाना पाये जाने पर परिवहन विभाग द्वारा जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाती है। वर्ष 2021-22 से 31-01-2024 तक की अवधि में कोरबा एवं जांजगीर-चांपा जिले में बिना तिरपाल ढके परिवहन करने वाले वाहनों से कुल 3,42,400 रूपये जुर्माना वसूल किया गया है। (ख) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी मार्गदर्शिका में कृषि भूमि एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आवश्यक अनुमति के बिना वन भूमि पर राखंड डालना प्रतिबंधित है। प्रश्नाधीन अवधि में कोरबा एवं जांजगीर-चांपा जिले में वनभूमि (बड़े झाड़ के जंगल) पर राखड़ डालने की अनुमति प्रदान नहीं की गयी है। उक्त दोनों जिलो में भू-भराव हेतु भू-स्वामी के आवेदन एवं सहमति के आधार पर राखड़ भराव की अनुमति दी गयी है। अतः कार्यवाही का प्रश्न उपस्थित नहीं होता है। (ग) कोरबा में ग्राम कनकी, कुदुरमाल, तरदा, कटबितला के निचले क्षेत्रों में भू-भराव हेतु केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मार्गदर्शिका अनुसार अनुमति प्रदान की गयी है। ग्राम तरदा व कटबितला में फ्लाई ऐश भराव स्थल पर पर्याप्त मिटटी की परत न बिछाया जाना /फ्लाई ऐश नियमों का उल्लंघन होना पाये जाने की स्थिति में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि अधिरोपित की गई है।

### बालको से की गई जुर्माने की वसूली

विधायक व्यास कश्यप द्वारा यह सवाल पूछा गया कि क्या संबंधित गांवों में नदी के किनारे गलत ढंग से अनुमति देकर लाखों टन रख डाल दी गई है। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि इन गांवों में नियमानुसार निचले भूभाग पर राख भरने की अनुमति दी गई है, वहीं फ्लाई ऐश के ऊपर मिटटी नहीं डालने पर फ्लाई ऐश डलवा रही कंपनी बालको से दो बार में ढाई लाख रूपये जुर्माने की वसूली की गई।

### तब भाजपा करती थी विरोध,अब

कोरबा जिले के जिन गांवों के पास नदी के किनारे फ्लाई ऐश डंप करने की अनुमति दिए जाने को लेकर सवाल उठाया गया है, उसे लेकर पिछली कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में पूर्व विधायक ननकी राम कंवर ने आंदोलन किया था। दरअसल यहां हसदेव नदी के ठीक किनारे राख डंप करने की अनुमति ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पर दे दी गई, जबकि नियम यह है कि नदी-नालों के तट से 500 मीटर से पहले फ्लाई ऐश डंप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ग्रामीण बताते हैं कि इस इलाके में सड़क के किनारे दो साल पहले भारी मात्रा में फ्लाई ऐश फेंक दी गई थी, जिसके चलते यहां से गुजरने वालों को आज भी परेशानी हो रही है। जिस मुद्दे पर पूर्व में भाजपा विधायक ने विरोध प्रदर्शन किया था, अब उसी भाजपा सरकार के मंत्री नियमों के तहत अनुमति दिया जाना बता रहे हैं। ऐसा करके पूर्व की सरकार में किये गए नियम विरुद्ध कार्यो को सही ठहराया जा रहा है।

### फ्लाई ऐश परिवहन को लेकर ये है नियम

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा जारी नियम के मुताबिक पावर प्लांट्स से निकलने वाले फ्लाई ऐश का परिवहन बंद ट्रकों या टैंकरनुमा कैप्सूल वाहन में किया जाना अनिवार्य है, मगर छत्तीसगढ़ के पर्यावरण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी फ्लाई ऐश लेकर जाने वाले वाहनों को केवल तिरपाल ढांक कर चलने को सही बता रहे हैं, उनके बताये मुताबिक ही कभी कलेक्टर रहे वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी नियम संबंधी जवाब में कहते हैं कि प्रदेश में ट्रकें तिरपाल ढंककर चल रही हैं, जो भी इसका उल्लंघन करता है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

### हाई कोर्ट ने एनजीटी पर टाला फैसला

बता दें कि पावर प्लांटों से निकलने वाले फ्लाई ऐश को नियम विरुद्ध खपाने, यत्र-तत्र फेंके जाने और खुले डाले वाले ट्रकों में परिवहन करने के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका लगाई गई थी, जिसको लेकर हाई कोर्ट ने न्याय मित्रों की टीम बनाकर फ्लाई ऐश से होने वाले नुकसान का सर्वे कराया। टीम ने अपनी रिपोर्ट भी पेश कर दी। मगर आखिर में हाई कोर्ट ने यह कहते हुए इस याचिका को ख़ारिज कर दिया कि यह प्रकरण हरित्र के दायरे में आता है, इसलिए एनजीटी ही इस मामले में कोई आदेश दे सकती है।

## विधानसभा में शराब की आपूर्ति,ओवर रेट और अवैध विक्रय का मामला उठा

### मूणत को विस अध्यक्ष रमन सिंह दी समझाइश

सदन में मंगलवार को देशी-अंग्रेज़ी शराब की आपूर्ति,ओवर रेट और अवैध विक्रय का मामला सदन में छाया रहा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने सवाल किया कि क्या मामले में प्लेसमेंट एजेंसी के खिलाफ एफ़आईआर दर्ज होगी? इस पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्लेसमेंट एजेंसी के खिलाफ जांच की जाएगी। अनियमितता सामने आने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

भाजपा विधायक राजेश मूणत ने सदन में मामला उठाते कहा कि किस नीति के आधार पर शराब की ख़रीदी की जाती है? मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि शराब नीति बनी हुई है। मांग के अनुपात में शराब कंपनियों से इसकी

आपूर्ति की जाती है. टेंडर के माध्यम से ख़रीदी की जाती है।राजेश मूणत ने पूछा कि 2019 से 23 तक छत्तीसगढ़ में सिर्फ़ तीन कंपनी ही सप्लाई करती रही? देशी और विदेशी शराब में कितनी कंपनियों ने टेंडर में हिस्सा लिया. श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- राज्य में देशी शराब के तीन ही उत्पादक हैं. इसलिए तीन टेंडर ही आए. राजेश मूणत ने कहा- 2018-19 में 37, 2019-20 में 67 और इसके बाद 21 फ़र्मों ने टेंडर में भाग लिया था. इसके बाद संख्या कम हो गई।

स्पीकर डॉक्टर रमन सिंह ने राजेश मूणत से कहा कि आपको ना देशी से मतलब है और ना विदेशी से फिर क्यों सवाल कर रहे हैं. मूणत ने कहा कि मतलब इसलिए है क्योंकि शराब से ही छत्तीसगढ़ में ईडी की जांच शुरू हुई। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- शासन की नीति थी कि देशी शराब के लिए छत्तीसगढ़ के डिस्टलरी ही टेंडर में शामिल होगी।

जिलों को आठ ज़ोन में बाँटकर तीनों डिस्टलरी से सप्लाई की जाती थी. राजेश मूणत ने कहा कि पांच साल तक एक ही कंपनी ने सप्लाई की है। ये हाल अंधा बांटे रेवड़ी चुन चुन कर दे वाला मामला है। क्या पांच साल तक सप्लाई के लिए एक ही डिस्टलरी को काम दिया गया। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- टेंडर में सबसे कम दर की वजह से एक ही कंपनी को सप्लाई का काम दिया गया। दर कम आएगी तो आगे भी कम देंगे।

## जंगल सफारी में चौसिंगा की मौत का मामला विधानसभा में उठा

### नेता प्रतिपक्ष ने दोषियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने ध्यानाकर्षण में जंगल सफारी में दुर्लभ चौसिंगा की मौत का मामला उठाया। उन्होंने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाये।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चौसिंगा शेड्यूल 1 का दुर्लभ प्राणी है। उसकी सुरक्षा में लापरवाही बरती गई। जंगल सफारी में योग्य लोगों का अभाव है, इसलिए ध्यान नहीं रखा जा सका। इस मामले में अधिकारियों पर गंभीर सवाल खड़ा करते हुए नेता प्रतिपक्ष

चरणदास महंत ने दोषी अफसरों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया।

इस सवाल के जवाब में मंत्री केदार कश्यप ने सदन को बताया कि चौसिंगा के बीमार होने की जानकारी मिलते ही कार्रवाई की गई है। वहीं अन्य चौसिंगा के स्वास्थ्य परीक्षण भी समय पर कराया गया था। इस मामले में 3 दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं अन्य अधिकारियों को नोटिस भी जारी की गई है।

मंत्री का जवाब सुनने के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा कि, मैं इस संबंध में कोई बात नहीं कहूंगा, इसकी जांच मैं स्पीकर पर छोड़ता हूं। मंत्री केदार कश्यप ने कहा- चौसिंगा की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है। जो दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। सेंटर जू अथॉरिटी को भी जानकारी भेजी है, रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

## संक्षिप्त खबरें

### जनपद सीईओ के हुए तबादले

**रायपुर,27 फरवरी 2024(ए)।** राज्य शासन द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिपालन में अधिसूचित क्षेत्रों में पदस्थ जनपद सीईओ के तबादला आदेश जारी किए हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने 23 फरवरी को आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया था कि कोई भी अधिकारी जो अपने संसदीय क्षेत्र में पदस्थ है, उसे हटाया जाए। आदेश के परिपालन में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय ने अधिसूचित जनपदों में पदस्थ जनपद सीईओ के तबादला आदेश जारी किए है।

### बड़े पैमाने पर राजस्व अधिकारियों का हुआ तबादला

**कलेक्टर ने जारी किया आदेश**

**बिलासपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** राजस्व विभाग में बड़े पैमाने पर अधिकारियों का तबादला हुआ है. कलेक्टर ने जिले के अनुविभागीय कार्यालयों में वर्षों से पदस्थ अधिकारियों का ट्रांसफर किया है.जारी ट्रांसफर आदेश में बिलासपुर, बिल्हा, मस्तूरी तखतपुर, कोटा एसडीएम कार्यालय सहित सकरी में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 और ग्रेड-3 के 18 अधिकारियों का नाम शामिल हैं. सभी को अलग-अलग स्थानों में ट्रांसफर किया गया है. साथ ही उन्हें तत्काल काम संभालने के निर्देश जारी किये गए हैं. कलेक्टर ने यह ट्रांसफर प्रशासनिक दृष्टि से किया है.

## छत्तीसगढ़ में बीईओ,डीईओ और प्राचार्यों के बड़े स्तर पर तबादले की तैयारी

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर ट्रांसफर की फाइल चल रही है। मुख्यमंत्री से अनुमोदन के बाद कभी भी आदेश जारी हो जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिलने के बाद दो-तीन दिन के भीतर कभी भी आदेश जारी हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग में पहली बार बड़ी संख्या में डीईओ और बीईओ के तबादले किए जाएंगे। डीईओ में ही करीब दो दर्जन नाम हैं। याने 33 में से तीन चौथाई डीईओ बदल जाएंगे।

इसी तरह जिन बीईओ और प्राचार्यों को प्रमोट कर डीईओ बनाया जाएगा, उनसे खाली हुई जगह पर भी पोस्टिंग की जाएगी। इससे ट्रांसफर का एक बड़ा चेन बन जाएगा। अफसरों ने बताया कि तबादले की फाइल स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के पास भेजी गई है। उनके हस्ताक्षर के बाद फिर समन्वय में सहमति के लिए फाइल जाएगी। मुख्यमंत्री समन्वय के मुखिया होते हैं। सो, उनके हरी झंडी मिलने के बाद आदेश जारी हो जाएंगे। डीईओ में उन चार जिलों में भी अफसरों की पोस्टिंग की जाएगी, जहां के डीईओ को स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा में निलंबित करने का ऐलान किया था। इसके अलावा बिलासपुर के डीईओ को भी बदलने की तैयारी है। एक प्राचार्य को न्यायधानी की कमान सौंपी जा रही है।

## जिलों के अध्यक्ष बदल सकती है कांग्रेस

### लोकसभा चुनाव से पहले होगा बदलाव

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही लगातार कांग्रेस संगठन में बदलाव की चर्चा जोरों पर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने भी बहुत जल्द पार्टी संगठन में बदलाव की बात कही है, उन्होंने कहा है कि बहुत ही जल्द संगठन में बदलाव होगा,कुछ नए लोगों को जिम्मेदारी दी जाएगी। बैज ने कहा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यह जिम्मेदारियां दी जाएगी ताकि संगठन में और मजबूती के साथ कसावट आ सके। आपको बता दें चुनाव से पहले बदलाव की एक्सरसाइज कर ली

जाएगी, ताकि नई ऊर्जा और नई टीम के साथ लोकसभा का चुनाव लड़ा जाए। संगठन के फोकस पर वे जिले हैं जहां पार्टी को उम्मीद के उलट नतीजे मिले। ऐसे में रायपुर शहर-ग्रामीण, दुर्ग, कवर्धा, बलौदाबाजार, महासमुंद, बलरामपुर, कोरिया, सरगुजा, रामानुजगंज, बैकुंठपुर, कोरबा, सक्ती, राजनादगांव ग्रामीण और बिलासपुर समेत ज्यादातर जिलों के अध्यक्ष बदले जा सकते हैं। इन जिलों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है।

## छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

**4 नक्सली ढेर, एक का शव बरामद**

**बीजापुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले के जांगला थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह जबरदस्त पुलिस नक्सली मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में चार नक्सलियों को ढेर करने की खबर सामने आई हैं। हालाँकि अबतक सिर्फ एक ही नक्सली का शव बरामद किया जा सका हैं। पुलिस की तरफ से इस बारें आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा हैं।नक्सल उन्मूलन अभियान में बस्तर पुलिस और वहां तैनात अर्धसैनिक बलों को हर दिन बड़ी कामयाबी हाथ लग रही हैं। बौखलायें नक्सली लगातार पुलिस पार्टी को अपना निशान बना रही हैं जिसमें उन्हें खुद नुकसान झेलना पड़ रहा हैं। दो दिन पहले पुलिस को कांकेर में बड़ी कामयाबी हाथ लगी थी।

### चुनाव आयोग के नए निर्देश के बाद 49 तहसीलदार और 80 नायब तहसीलदार का तबादला

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** भारत निर्वाचन आयोग के नए निर्देश के तहत राज्य सरकार ने देर रात तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का तबादला

किया। चुनाव आयोग के नियमों के अंतर्गत आने वाले अफसरों को जिलों के साथ संसदीय क्षेत्र से बाहर करने के निर्देश के बाद यह ट्रांसफर आदेश निकाला गया है। राजस्व विभाग के 129 अफसर प्रभावित हुए हैं। इनमें 49 तहसीलदार और 80 नायब तहसीलदार प्रभावित हुए हैं।

### राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का ट्रांसफर

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला किया है. इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है. जिसमें कुल 19 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। बता दें कि सोमवार को भी आईएएस के साथ साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया था. आज भी डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर सहित मंत्रालय में अवर सचिव को इधर से उधर किया गया है।

## दंतेवाड़ा एनएमडीसी खदान में 6 लोगों की मौत

**दंतेवाड़ा,27 फरवरी 2024 (ए)।** दंतेवाड़ा के किरंदुल में एनएमडीसी के खदान में चट्टान खिसकने से दबकर 6 मजदूरों की मौत की खबर है। मजदूरों को निकालने की कोशिश की जा रही है। जिला प्रशासन और एमएमडीसी के अफसर मौके पर पहुंचकर मजदूरों को निकलने की कोशिश में जुटे हैं।

### मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को मातृ शोक

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और साय कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की माता पिस्तादेवी अग्रवाल का आज शाम निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबियत खराब थी। उन्हें उपचार के लिए शहर के बड़े निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां वे कुछ दिन वेंटिलेटर पर थी। लेकिन हालात में सुधार नहीं होने पर उन्हें वापस निवास स्थान ले आया गया। जहां उन्होंने अंतिम सांसे ली।

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बृजमोहन अग्रवाल की माता को दी श्रद्धांजलि

**रायपुर,27 फरवरी 2024 (ए)।** कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की पूज्यनीय माताजी पिस्तादेवी अग्रवाल जी के देवलोकगमन की दुखद सूचना प्राप्त हुई। प्रभु श्रीराम से मेरी प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोकसंतप्त परिजनों को संबल प्रदान करें। साथ ही प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष, डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, सहित सभी मंत्रियों और विधायकों ने श्रद्धांजलि दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)